दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत
RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

शनिवार 27 सितंबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:12 बजे
सूर्यास्त सांय 18:13 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 GST दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 343 | गाजियाबाद, शनिवार 27 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm
Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

यूपी में 'आई लव मोहम्मद' विवाद पर बवाल

● बरेली में जुमे की नमाज के बाद सड़क पर उतरी भीड़ ● नारेबाजी, पथराव, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे

बरेली (एजेंसी)। बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर बवाल हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई। दरअसल, मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिमों से इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतर आई और जबरन इस्लामिया मैदान में जाने की जिद पर अड़ गई।

पुलिस ने रोक लिया। इस पर भीड़ ने धार्मिक नारे लगाए। थोड़ी देर में पथराव शुरू हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले दागे। शहमत गंज में भीड़ सड़क पर उतर आई थी। इसके चलते पुलिस ने बाजार बंद कराए फिलहाल, पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। पूरे बरेली में फोर्स मार्च कर रही है। अधिकारी लोगों को घरों में रहने की हिदायत दे रहे। आसपास के जिलों से फोर्स बढ़ा दी गई है। मौलाना तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष है। इन पर 2010 में बरेली में दंगा करवाने का भी आरोप है। मामला अभी कोर्ट में है। शुक्रवार को नमाज

खत्म होने के बाद बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नारेबाजी करते हुए खलील तिराहा पहुंचे। जब इन लोगों ने इस्लामिया की ओर जाने का प्रयास किया, तो मौके पर मौजूद पुलिस बल ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। पुलिस के रोकने पर भीड़ हिंसक हो गई और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान उपद्रवियों ने कम से कम दो मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ की और एक दुकान को भी निशाना बनाया।

स्थिति को नियंत्रण में लाने और उपद्रव को शांत करने के लिए पुलिस को मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा। लाठीचार्ज के बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। उपद्रव वाले क्षेत्र, खलील तिराहा के करीब 200 मीटर के दायरे में चप्पलें, जूते और पत्थर बिखरे पड़े दिखाई दिए, जो बवाल की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालात बिगड़ने की सूचना मिलते ही डीआईजी अजय साहनी, एसपी सिटी सहित पुलिस और प्रशासनिक विभाग के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके में फ्लैगमार्च किया है ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। फिलहाल, इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

मनमोहन सिंह के नाम पर पुस्तकालय का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर अनुसंधान केंद्र और पुश्तकालय का उद्घाटन किया। डॉ सिंह के नाम पर स्थापित इस एकक का नाम डॉ. मनमोहन सिंह अनुसंधान केंद्र और पुश्तकालय रखा गया है। यह केंद्र कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थापित किया गया है। इस केंद्र पर डॉ. सिंह की पुश्तकें, उनके लेख और भाषणों के संकलन रखे गये हैं। इस मौके पर डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा अन्य कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

अरविंद कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरुबरहल्ली वेंकटरामरेड्डी अरविंद को न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी गई। अधिसूचना में कहा गया है, ''राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरुबरहल्ली वेंकटरामरेड्डी अरविंद को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।"

CBI ने अविजीत सरकार हत्याकांड में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को अविजीत सरकार हत्याकांड से जुड़े एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह मामला पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के बाद हुई हिंसा से संबंधित है। सीबीआई ने बताया कि यह मामला 25 अगश्त 2021 को दर्ज किया गया था और मामले की विश्तृत जांच के बाद 30 सितंबर 2021 को 20 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। इसके बाद 30 जून 2025 को 18 और आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया।

लद्दाख हिंसा के बाद अब सोनम वांगचुक गिरफ्तार

डीजीपी जामवाल की अगुवाई वाली पुलिस ने की कार्रवाई

लेह (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लद्दाख पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। लेह में राज्य का दर्जा और इस क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो

गई थी। हालांकि, वांगचुक पर लगाए गए आरोपों का अभी पता नहीं चला है। सरकार ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि कार्यकर्ता ने नेपाल के जेनरेशन जेड विरोध और अरब स्प्रिंग-शैली के विरोध जैसे संदर्भों का इस्तेमाल करके युवाओं को भड़काया।

● **लेह के सभी स्कूल-कॉलेज हैं बंद, कर्फ्यू जारी**-जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने लेह के सभी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों को दो दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया है। कारगिल में भी निषेधाज्ञा लागू है। जहां भारी सुरक्षा बल तैनात हैं। हालांकि, कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) की ओर से बुलाए एक दिन के बंद के बाद शुक्रवार को दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान फिर से खुल गए। इससे पहले लद्दाख में हाल में हुई हिंसक घटनाओं के बीच केंद्र सरकार ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की संस्था का विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया था। इस कार्रवाई पर लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) कविंदर गुप्ता ने प्रतिक्रिया दी।

फ्रांस से डील का डर

घुटनों में आई अमेरिकी कंपनी

जीई ने धड़ाधड़ शुरू की तेजस फाइटर जेट इंजन की सप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस फाइटर जेट प्रोजेक्ट को लंबे समय तक लटकाने के बाद अमेरिकी कंपनी जेनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को धड़ाधड़ इसकी इंजन की सप्लाई शुरू कर दी है और भविष्य में इसमें और तेजी लाने का भरोसा भी दिया है। एचएएल की ओर से यह खुलासा तब किया गया, जब एक अमेरिकी मीडिया ने यह रिपोर्ट दी कि जीई की ढिलाई की वजह से भारत अपने अन्य स्वदेशी फाइटर जेट प्रोजेक्ट के लिए फ्रांस की जेट इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान एसए से बातचीत कर रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी डॉ. डीके सुनील ने न्यूज एजेंसी से कहा है वह (जीई) अब अपनी सप्लाई चेन को ठीक कर रहे हैं। मूल समस्या दूर हो गई है और अब उत्पादन तेजी से होगा। कंपनी ने अगले साल हमें 20 इंजन देने का वादा किया है। उन्होंने साफ किया है कि अब तो जीई इंजन को लेकर लगातार जानकारी दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि संवाद बेहतर हुआ है और हमें विश्वास है कि वे अब इसे और बेहतर करने में सक्षम होंगे और हमारी जरूरतों को पूरा कर सकेंगे....। बता दें कि भारतीय वायुसेना को स्वदेशी फाइटर जेट तेजस एमके-1ए की डिलीवरी अमेरिकी कंपनी की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी की वजह से ही अटकी रही है। इस साल कंपनी ने 12 इंजन देने का वादा किया था।

फ्रांस की कंपनी के डर से सहमा अमेरिका!

जीई की ओर से यह प्रगति तब देखी जा रही है, जब ब्लूमबर्ग में फ्रांस की कंपनी सफ्रान को भारत की ओर से विकल्प के रूप में देखने की खबर आई। इसके अनुसार केंद्र सरकार पेरिस की कंपनी सफ्रान एसए के साथ बातचीत कर रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत और अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन सरकार के दौरान की उस प्रमुख डील में बहुत बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जिसमें दोनों देश तेजस मार्क-2 के लिए भारत में संयुक्त रूप से इंजन बनाने पर सहमत हुए थे। दरअसल, इसी के तहत 2023 में अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी जीई और एचएएल ने भारतीय वायुसेना के लिए फाइटर जेट इंजन बनाने के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके2 के लिए भारत में ही एफ 414 इंजन का उत्पादन होना है। हालांकि, अभी जीई एचएएल को जो इंजन सप्लाई कर रही है, वह तेजस एमके-1ए प्रोजेक्ट से जुड़ा है। अमेरिका के ठंडे पड़े रुख को देखते हुए ही गुरुवार को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 97 तेजस एमके-1ए फाइटर जेट के लिए 62,370 करोड़ रुपये का सौदा किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना को 68 सिंगल सीट वाले और 29 दो सीटों वाले हल्के लड़ाकू विमान तेजस एमके-1ए के साथ इनके उपकरण मिलने वाले हैं।

किसान की कर्जमाफी की मांग पर भड़क गए पवार

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बोले-इसे ही सीएम बना दो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार गुरुवार को मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने

कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम ने गुस्से में कहा- इसे मुख्यमंत्री बना दो! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं। मैंने सुबह 6 बजे करमाला से अपना दिन शुरू किया। आप सिर्फ काम करने वालों की आलोचना करते हैं। हमने अपनी प्यारी बहनों की बहुत मदद की है। हम सालाना 45,000 करोड़ की मदद दे रहे हैं। किसानों के बिजली के बिल माफ किए हैं और उसके लिए 20,000 करोड़ दिए हैं। 20 सितंबर से मराठवाड़ा के जिलों में भारी बारिश और नदियां उफान पर आने के बाद कई इलाके बाढ़ की चपेट में हैं।

प्राइवेट नौकरी में आरक्षण की ओर बढ़ रहे राहुल गांधी!

● ईबीसी संकल्प 2029 की तैयारियों की शुरुआत तो नहीं

पटना (एजेंसी)। 11 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दलित और पिछड़ों की राजनीति के दम पर पार्टी में जान फूंकने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद बुधवार को राहुल ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी महागठबंधन के नेताओं के साथ अति पिछड़ी जातियों के लिए 10 वादों का एक संकल्प जारी किया।

अति पिछड़े बिहार में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के कोर वोटर माने जाते हैं। इन संकल्पों से संकेत मिल रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से लगातार मात खा रहे राहुल गांधी 2029 के लोकसभा चुनाव में प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण का एजेंडा आजमाने की तरफ बढ़ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का इसी साल कर्नाटक में दिया एक बयान भी प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में

आरक्षण को लेकर कांग्रेस के अंदर चल रहे मंथन का इशारा करता है। खरगे ने वह बयान निजी शिक्षण संस्थानों में एडमीशन के संदर्भ में दिया था और कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 15(5) को पूरी तरह से लागू किया जाए। लेकिन इसी दौरान खरगे नौकरियों पर बोलने लगे और कहा- केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम जा रहे हैं, कॉरपोरेट कंपनी उनको खरीद रही हैं। नौकरी जा रही है। एससी, एसटी और ओबीसी के लिए कोई नौकरी नहीं है। ऐसा नहीं है कि खरगे इस तरह की बात करने वाले पहले बड़े नेता हैं। 19 दिसंबर 2003 को तब के पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण की मांग का यह कहकर समर्थन किया था कि अगर सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा सकता है तो प्राइवेट में क्यों नहीं। वाजपेयी ने कहा था-आज एक महत्वपूर्ण मसला सामने आया है। अगर सरकारी नौकरी में आरक्षण है तो प्राइवेट जॉब्स में क्यों नहीं। इसके लिए माहौल बनाना होगा।

बंगाल में ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण करे

● अमित शाह ने कोलकाता में मां दुर्गा से की प्रार्थना, पूजा भी की

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां उत्तर कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्रा स्क्वायर के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर इस बार अपना पंडाल बनाया है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त

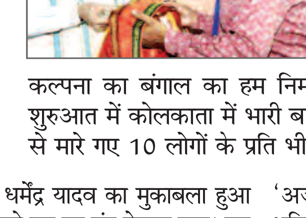

संबोधन में शाह ने कहा कि मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए। हमारा बंगाल बंगाल का गौरव वापस लौटे और कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर के कल्पना का बंगाल का हम निर्माण कर पाए। शाह ने दुर्गा पूजा की शुरुआत में कोलकाता में भारी बारिश से हुई तबाही व बिजली के करंट से मारे गए 10 लोगों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की।

बिहार चुनाव को लेकर निरहुआ ने रिलीज किया चुनावी गीत, छा गया 'रफ्तार पकड़ लिहले बा बिहार'

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। भोजपुरी अभिनेता, गायक और आजमगढ़ के पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' लगातार आजमगढ़ के लोगों के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन अब वह बिहार की राजनीति में भी सक्रिय हो गए हैं।

बिहार में चुनावी माहौल गर्म है क्योंकि नवंबर के महीने में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में निरहुआ ने नया चुनावी गीत रिलीज कर दिया है, जो रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर वाहवाही लूट रहा है।

निरहुआ ने इंस्टाग्राम पर "रफ्तार पकड़ लिहले बा बिहार" चुनावी गीत रिलीज किया है जिसमें एक्टर ने एनडीए सरकार के कामों का जिक्र किया है और बिहार के बदलते स्वरूप का श्रेय एनडीए सरकार को दिया है। गीत की टैगलाइन है "रफ्तार पकड़ लिहले बा बिहार, नई पीढ़ी का नया है बिहार।" चुनावी गीत में निरहुआ खुद ट्रक ड्राइवर बने हैं।

चुनावी गीत को इंस्टाग्राम पर शेयर कर एक्टर ने लिखा, "बिहार में युवाओं के सपने हो रहे साकार! रोजगार के नए अवसर और विकास की रफ्तार, एनडीए सरकार के साथ।"

बता दें कि निरहुआ एनडीए सरकार का हिस्सा है। साल 2019 में एक्टर आजमगढ़ सीट से अखिलेश यादव से हार गए थे, लेकिन 2022 के उपचुनावों में एक्टर ने आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 2024 लोकसभा चुनाव में आजमगढ़ सीट से निरहुआ और धर्मेंद्र यादव का मुकाबला हुआ और निरहुआ को हार का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी एक्टर आजमगढ़ की जनता के लिए हर संभव कार्य करते हैं।

काम की बात करें तो निरहुआ भोजपुरी में भी लगातार काम कर रहे हैं। एक्टर ने सीएम योगी आदित्यनाथ की जीवनी पर बनी फिल्म 'अजय द अनटोल्ड स्टोरी' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। एक्टर की 'मेरे हसबैंड की शादी', 'गोवर्धन' और 'बलमा बड़ा नादान-2' रिलीज हो चुकी हैं, जबकि एक्टर की 'हे राम' और 'पटना से पाकिश्तान-2' फिल्म रिलीज होने वाली हैं।

संक्षिप्त समाचार

आजम खान ने दिल्ली में कराया हेल्थ चेकअप, यतीमखाना प्रकरण में 29 को होगी सुनवाई

रामपुर, एजेंसी। 23 माह बाद सीतापुर जेल की सलाखों से जमानत पर बाहर आए सपा नेता आजम खां का स्वास्थ्य खराब हो गया है। उन्हें दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया हैं। जहां गुरुवार को उनका चेकअप कराया गया है। उधर, चर्चित यतीमखाना प्रकरण में 29 सितम्बर को अगली सुनवाई होनी है। प्रकरण में आजम के गवाह से जिरह पूरी हो गई है। सपा नेता आजम खां का स्वास्थ्य बीते काफी समय से खराब चल रहा है। उनका सीतापुर जेल में भी स्वास्थ्य नासाज था, जिसके चलते दवाइयां ले रहे थे। अब जब वह जमानत पर रिहा होकर रामपुर आए तो स्वास्थ्य की जांच कराई जा रही है। आजम खां ने रामपुर में आते ही मीडिया से कहा था कि पहले चेकअप कराऊंगा उसके बाद आगे की रणनीति बताई जाएगी। लिहाजा, वह बुधवार की देर शाम बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के साथ दिल्ली चले गए। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में गुरुवार को उनका चेकअप कराया गया है। वहीं रामपुर के चर्चित यतीमखाना प्रकरण में सपा नेता आजम खान ने कोर्ट में अपनी बेगुनाही साबित करने को अपना गवाह पेश किया। जिससे अभियोजन पक्ष ने जिरह की, जो पूरी हो गई है। अब इस मामले में 29 सितंबर को सुनवाई होगी। मालूम हो सपा सरकार में यतीमखाना बस्ती को खाली कराया गया था। आरोप है कि आजम के इशारे पर उनके समर्थकों और तत्कालीन सीओ सिटी आले हसन ने जबरन बस्ती को खाली कराया। आरोप है कि इन लोगों ने तोड़फोड़, लूटपाट और मारपीट की गई। इस मामले में शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराए गए थे। जिनकी सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है। गुरुवार को आजम खां ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए कोर्ट में अपना गवाह जाहिद पेश किया। जिससे अभियोजन पक्ष ने जिरह की, जो पूरी हो गई। अब इस केस में 29 सितंबर को सुनवाई होगी। आजम खान के खिलाफ सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज महिलाओं पर विवादित बयान के केस में गुरुवार को आरोप तय नहीं हो सके। अब केस में नौ अक्तूबर की तारीख मुकर्रर की गई है।

गुरुग्राम की सिटी बसों में सफर हुआ महंगा

गुरुग्राम, एजेंसी। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सिटी बस का सफर अब महंगा हो गया है। यह किराया उन यात्रियों के लिए महंगा हुआ है, जो 6 किमी से लेकर 20 किमी तक सिटी बस में सफर करते थे। बढ़ी किराया राशि को बुधवार से लागू कर दिया गया है। गुरुवार को इस सिलसिले में कुछ यात्रियों की शिकायत गुरुग्राम महानगर सिटी बस लिमिटेड कार्यालय में पहुंचीं। मौजूदा समय में गुरुग्राम में 150 सिटी बस का संचालन हो रहा है। सिटी बस 24 रूट पर लगती हैं। करीब 45 सिटी बस मानेसर और सोहना रूट पर चलती हैं, बाकी बसों को शहर की मुख्य सड़कों पर चलाया जाता है। साल 2018 से लेकर अब तक सिटी बस में किराया स्टॉप के हिसाब से वसूला जा रहा था, लेकिन अब चंडीगढ़, नोएडा और गाजियाबाद की तर्ज पर इसको किमी के हिसाब से कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताह जीएमसीबीएल बोर्ड की बैठक गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में हुई थी। इसमें गुरुग्राम नगर निगम, एचएसआईआईडीसी और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया था। इसके बाद बैठक में किराया किमी के हिसाब से करने को लेकर फैसला लिया गया। इस निर्णय से बसों का किराया महंगा हो गया है, जो आम लोगों की जेब पर पढ़ रहा है। सिटी बस में पहले स्टॉप के हिसाब से किराया था। शून्य से लेकर पांच स्टॉप तक किराया 10 रुपये था। छह से लेकर 10 स्टॉप तक किराया 15 रुपये था। 11 से 20 स्टॉप का किराया 20 रुपये और 21 से ऊपर तक स्टॉप का किराया 30 रुपये था। गुरुग्राम-जयपुर हाईवे और गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर टोल प्लाजा होने की वजह से किराया राशि में पांच रुपये का इजाफा हो जाता था। जीएमसीबीएल ने किराया के डिजिटल भुगतान में छूट को कम कर दिया है। छूट को किराया राशि का 10 प्रतिशत कर दिया है। अधिकतम छूट पहले की तरह दो रुपये रहेगी। इसके मुताबिक जो यात्री 10 किमी तक पहले सफर करता था और डिजिटल या कार्ड से भुगतान करता था तो उसे किराये में दो रुपये की छूट मिल जाती थी। अशोक कुमार, विद्यार्थी, सोहनाः पहले 23 रुपये में सोहना बस स्टैंड से लेकर सोहना चौक तक पहुंच जाता था। सोमवार को रूट नंबर 218 में सफर किया। परिचालक ने 35 रुपये किराया मांगा।

प्राइवेट नौकरी में आरक्षण की ओर जा रहे राहुल गांधी?

ईबीसी संकल्प 2029 की शुरुआत तो नहीं

पटना, एजेंसी। 11 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दलित और पिछड़ों की राजनीति के दम पर पार्टी में जान फूंकने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद बुधवार को राहुल ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी महागठबंधन के नेताओं के साथ अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के लिए 10 वादों का एक संकल्प जारी किया। अति पिछड़े बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कोर वोटर माने जाते हैं। इन संकल्पों से संकेत मिल रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से लगातार मात खा रहे राहुल गांधी 2029 के लोकसभा चुनाव में प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण का एजेंडा आजमाने की तरफ बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का इसी साल कर्नाटक में दिया एक बयान भी प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कांग्रेस के अंदर चल रहे मंथन का इशारा करता है। खरगे ने वह बयान निजी शिक्षण संस्थानों में एडमिशन के संदर्भ में दिया था और कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 15(5) को पूरी तरह से लागू किया जाए। लेकिन इसी दौरान खरगे नौकरियों पर बोलने लगे और कहा- केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमजा रहे हैं, कॉरपोरेट कंपनी उनको खरीद रही हैं। नौकरी जा रही है। एससी, एसटी और ओबीसी के लिए कोई नौकरी नहीं है।

ऐसा नहीं है कि खरगे इस तरह की बात करने वाले पहले बड़े नेता हैं। 19 दिसंबर 2003 को तब के पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण की मांग का यह कहकर समर्थन किया था कि अगर सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा सकता है तो प्राइवेट में क्यों नहीं। वाजपेयी ने कहा था- आज एक महत्वपूर्ण मसला सामने आया है। अगर सरकारी नौकरी में आरक्षण है तो प्राइवेट जॉब्स में क्यों नहीं। इसके लिए माहौल बनाना होगा। वाजपेयी ने इस पर आम सहमति बनाने की जरूरत की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि किसी मसले को थोपा नहीं जा सकता। वाजपेयी की बात 2004 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के हारने के बाद वहीं छूट गई और पार्टी ने इस मुद्दे को दोबारा नहीं छेड़ा।

प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी में अभी दाखिले में एससी, एसटी या ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 15 (5) में शैक्षणिक संस्थानों में एससी एसटी के अलावा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन इसका फायदा सिर्फ सरकारी या सरकारी मदद से चल रहे संस्थानों में मिल रहा है। यह संकल्प एडमिशन में रिजर्वेशन का दायरा प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी बढ़ाने का वचन है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल मामलों की संसदीय समिति ने 20 अगस्त 2025 को राज्यसभा में पेश अपनी रिपोर्ट में सरकार से सिफारिश की है कि सभी निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी का 27 परसेंट, एससी का 15 परसेंट और एसटी का 7.5 परसेंट आरक्षण लागू हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे दाखिले को पूरी सरकारी वित्तीय सहायता मिलनी चाहिए। इसके लिए शिक्षा के अधिकार कानून के तहत प्राइवेट स्कूलों में रिजर्व 25 फीसदी पदों पर दाखिले के मॉडल की नकल करने कहा गया है, जिसमें सरकार ऐसे बच्चों की पढ़ाई का खर्च स्कूल को देती है।

सहारनपुर और शामली ने सीखा आपदा प्रबंधन

सहारनपुर। क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान, रामपुर मनिहारन, सहारनपुर में सहारनपुर और शामली जनपद के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन और उसकी बारीकियां सिखाई गई। प्रतिभागियों को यह प्रशिक्षण बेहद रास आया। संस्थान के प्राचार्य उपनिदेशक डॉ सुरेश चंद्र राजपूत ने इस प्रशिक्षण के लिए सभी को शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि यह प्रशिक्षण उनके लिए बेहद लाभप्रद होगा। उन्होंने कहा कि यहां जो सीखें हैं उसे हर व्यक्ति हर घर तक पहुंचाएं और सुरक्षा की संस्कृति विकसित करें।

संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारी अमित नारंग ने बताया कि 17 से 19 और 23 से 25 सितंबर तक तीन तीन दिन का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 17 से 19 सितंबर के प्रशिक्षण की अग्नि आपदा पर केंद्रित किया गया था। यह एक मानवीय आपदा है और इसका खतरा सभी घरों में विद्यमान है। इस खतरे के जोखिम को कैसे कम करें इसकी गहन जानकारी दी गई। आग लगने पर कैसे प्रभावी तरीके से काबू करें और अपना बचाव करें इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। एल पी जी सिलेंडर से लगने वाली आग को कैसे काबू करें डेमो कर उनसे ही काबू कराया गया ताकि विश्वास बढ़ सके और कहीं जरूरत पड़े तो दक्षता के साथ काबू कर सकें। 23 से 25 सितंबर में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और उसके अनुकूलन खासकर कृषि क्षेत्र में अनुकूलन पर अधिक फोकस किया गया। वैसे प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन की सभी बारीकियों पर गहनता से चर्चा की गई। संस्थान के प्राचार्य उपनिदेशक डॉ सुरेश चंद्र राजपूत ने दोनों जिलों के बैच के प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर स्वयं नजर रखी। प्रतिभागियों से भी लगातार फीडबैक लेते रहे की प्रशिक्षण की गुणवत्ता कैसी है। सभी ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता अच्छी बताई। सत्र में मौजूद रहकर भी उप निदेशक ने गुणवत्ता का आंकलन किया। हालांकि प्रशिक्षण के लिए विषय विशेषज्ञों को ही बुलाया गया था। दोनों ही प्रशिक्षणों में ग्रास रूट के कर्मचारियों को शामिल किया गया था मसलन ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, ए एन एम, अध्यापक आदि। इनके माध्यम से ग्रास रूट पर आपदाओं से सुरक्षा, जोखिम न्यूनीकरण की संस्कृति बढ़ेगी। यह दोनों ही प्रशिक्षण दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम विकास संस्थान लखनऊ के सौजन्य से आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में विजयपाल और अंकुर का विशेष सहयोग रहा।

जुबीन गर्ग मौत मामला: पुलिस हिरासत में एक म्यूजिशियन

गुवाहटी, एजेंसी। जुबीन गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में असम पुलिस की एसआईटी ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया। टीम ने म्यूजिशियन शेखर ज्योति गोस्वामी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, गोस्वामी सिंगापुर यात्रा के दौरान गर्ग के साथ मौजूद थे। हालांकि, जांच एजेंसी की ओर से गोस्वामी की कस्टडी पर कोई औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले दिन के दौरान एसआईटी ने गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव (एनईआईएफ) के आयोजक श्यामकानु महंत के घरों पर छापेमारी की। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी अपने धीरेनपारा और गीतानगर स्थित आवास पर मौजूद नहीं थे।

इसी दौरान सिद्धार्थ शर्मा के आवास के बाहर सैकड़ों लोग जमा हो गए और पुलिस की गाड़ियों पर पथराव शुरू कर दिया। इससे निपटने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा।

सिंगापुर में था मौजूद

एसआईटी टीम छापे के बाद लौट रही थी, जब गुस्सैल भीड़ ने अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के मुख्य गेट को तोड़ने का प्रयास किया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण यह कोशिश नाकाम रही। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उपद्रव भड़काने के आरोप में भीड़ से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

दूसरी ओर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर एसआईटी की जांच किसी भी स्तर पर असंतोषजनक पाई जाती है, तो राज्य सरकार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की सिफारिश करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगापुर यात्रा में गर्ग के साथ रहे सभी व्यक्तियों, जिसमें असम एसोसिएशन के सदस्य और एनईआईएफ आयोजक शामिल हैं, से एसआईटी पूछताछ करेगी। सीएम ने जनता से अपील की कि वे जांच प्रक्रिया पर भरोसा रखें और सोशल मीडिया पर अफवाहें न फैलाएं, क्योंकि इससे जांच बाधित हो सकती है।

कांग्रेस में इतना दम नहीं कि वो लद्दाख में हिंसा भड़का सके: उमर अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले दिनों लद्दाख में हुई हिंसा के मामले में केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा द्वारा कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस का बचाव करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा की यह आदत हो गई है कि वह अपनी नाकामियों की ठीकरा अक्सर दूसरों के सिर पर फोड़ती है। उन्होंने कहा कि लेह में हुई हिंसा पर भाजपा का आरोप भी इसी कड़ी का हिस्सा है। उमर अब्दुल्ला ने बाढ़ प्रभावित रियासी जिले के गांवों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उप राज्यपाल के नेतृत्व वाले लद्दाख प्रशासन को यह देखना चाहिए कि वह वहां शांति बनाए रखने और जरूरी कदम उठाने में क्यों विफल रहा? दरअसल, बुधवार को लेह में हुई हिंसा के लिए भाजपा ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। इस पर जब उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि जब लद्दाख में सरकार उनकी यानी भाजपा की है और वे शासन देने में विफल रहे हैं तो किसी और पर दोष क्यों मढ़ रहे हैं? अब्दुल्ला ने इसके साथ ही दो टूक लहजे में कहा, कांग्रेस में इतना दम नहीं कि वो लद्दाख में हिंसा भड़का सके। वह लद्दाख में हिंसा भड़का सके तो उस पार्टी ने वहां परिषद का गठन क्यों नहीं किया? सीएम ने कहा, लद्दाख में पिछला परिषद का चुनाव किसने जीता? भाजपा ने, जबकि कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। जब चीजें गलत होती हैं तो भाजपा के लोग हमेशा बहाना बनाने लगते हैं और उसका ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ देते हैं। बुधवार को लद्दाख में भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक अन्य घायल हो गए। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के विस्तार के आंदोलन का समर्थन करने वाले सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा कार्यालय और कई वाहनों को आग लगा दी थी।

फारुख अब्दुल्ला की केंद्र को सलाह- चीन घात लगाए बैठा है

लद्दाख के लोगों से जल्दी बात करें

जम्मू, एजेंसी। लद्दाख में पूर्ण राज्य और छठी अनुसूची को लेकर हुई हिंसा पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार को सलाह दी है। उन्होंने कहा कि लद्दाख एक सीमावर्ती राज्य है, इसकी जमीन पर चीन नेहरू के जमाने से ही दावा करता आ रहा है। वर्तमान में जो आंदोलन हो रहा है। उससे वहां पर लोगों के मन में असंतोष है, ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द उनकी आकांक्षाओं को समझकर उनसे बातचीत शुरू कर देनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर राज्य के विभाजित होने से पहले लद्दाख क्षेत्र के भी मुख्यमंत्री रहे अब्दुल्ला ने चेतावनी दी कि यह एक संवेदनशील क्षेत्र है। केंद्र को यहां पर जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने सोनम वांगचुक पर लगाए जा रहे आरोपों को साफ करते हुए वांगचुक का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वांगचुक का इस हिंसात्मक आंदोलन से कोई लेना देना नहीं है। वह एक गांधीवादी आंदोलनकर्ता हैं। अब लद्दाख के लोग उनके गांधीवादी प्रदर्शन से तंग आ चुके हैं। इसलिए यह हिंसा हुई है। इकनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, मैं सरकार को बता देना चाहता हूं कि यह एक सीमावर्ती राज्य है। यहां पर चीन घात लगाए बैठा हुआ है। उन्होंने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। पूरी दुनिया जानती है कि चीन के पास हमारी कितनी जमीन है। हम कब तक दुनिया से झूठ बोलते रहेंगे? यह एक संवेदनशील क्षेत्र है, ऐसे में अब समय आ गया है कि जल्दी से जल्दी हमें इस मुद्दे को बातचीत के जरिए सुलझा लेना चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां पर बल का प्रयोग करती है, तो मामला और भी ज्यादा बिगड़ सकता है। क्योंकि काफी समय से वांगचुक के पीछे गांधी वादी आंदोलन कर रहे, लद्दाख के लोगों का सब्र का बांध अब टूट चुका है। आपको बता दें, क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के नेतृत्व में लद्दाख में पूर्ण राज्य को लेकर आंदोलन चल रहा है। लेकिन मंगलवार और बुधवार के बीच लद्दाख की राजधानी लेह में हिंसा भड़क उठी। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी के ऑफिस को फूंक दिया और कई गाड़ियों में आग लगा दी। सरकारी बयान के मुताबिक इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को भी निशाना बनाया, जिसकी वजह से फायरिंग हो गई।

कर्नाटक में जातीय जनगणना पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को राज्य में जातीय जनगणना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने जाति आधारित सर्वेक्षण के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि सर्वेक्षण स्वैच्छिक होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और जस्टिस सी एम जोशी की खंडपीठ ने कहा कि उन्हें इस सर्वेक्षण पर रोक लगाने का कोई कारण नहीं दिखता। पीठ ने कहा, ''हमें चल रहे सर्वेक्षण पर रोक लगाने का कोई कारण नहीं दिखता। हालांकि, हम यह स्पष्ट करते हैं कि एकत्र किए गए आंकड़ों का खुलासा किसी के साथ नहीं किया जाए। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (केएससीबीसी) यह सुनिश्चित करेगा कि आंकड़े पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहें।'' इस दौरान ने हाईकोर्ट में यह सार्वजनिक अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया कि यह सर्वेक्षण स्वैच्छिक है और किसी को भी कोई जानकारी देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि इस बात को गणना करने वालों को भी जनता को बताना होगा।

कोर्ट ने आगे कहा कि यह स्पष्टीकरण सर्वेक्षण प्रक्रिया की शुरुआत में ही दिया जाना चाहिए। उसने कहा कि अधिकारी उन लोगों पर दबाव नहीं डाल सकते जो इसमें भाग लेने से इनकार करते हैं। आयोग को एक दिन के अंदर एक हलफनामा दाखिल करने को भी कहा गया है जिसमें एकत्रित और संग्रहीत आंकड़ों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा दी गई हो।

हिमाचल बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने इस्पात कम्पनी को पहुंचाया करोडों का फायदा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) में बड़े स्तर पर गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। इसे लेकर विजिलेंस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला बोर्ड के ही चेयरमैन व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय गुप्ता की शिकायत पर दर्ज हुआ है। मामला सोलन जिला के बरोटीवाला स्थित निजी कंपनी मि. गिलवर्ट इस्पात प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोर्ड के कुछ अधिकारियों ने इस इस्पात कंपनी को अनुचित लाभ पहुँचाया और इससे बिजली बोर्ड को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

मामले में तीन तत्कालीन अधिकारियों को नामजद किया गया है। वहीं कम्पनी के निदेशकों के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है। शिकायत के अनसार मार्च 2025 में यह मामला विजिलेंस के पास पहुंचा था। जांच के बाद पाया गया कि बोर्ड के कुछ अधिकारियों ने निजी कंपनी को बिना बकाया राशि जमा करवाए ही बिजली की आपूर्ति फिर से बहाल कर दी। यह प्रक्रिया नियमों को दरकिनार कर जल्दबाजी में पूरी की गई। आरोप है कि 2009 के एचपीईआरसी सप्लाई कोड और वित्त एवं लेखा शाखा से अनिवार्य मंजूरी लिए बिना ही आदेश जारी किए गए।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस पूरी कार्रवाई से निजी कम्पनी को अनुचित लाभ मिला और बोर्ड को करीब 11.84 करोड़ रुपये का सीधा नुकसान हुआ। इसके अलावा बरोटीवाला विद्युत उपमंडल कार्यालय में कंपनी के खाते का मिलान भी नहीं किया गया। शिकायत के अनुसार 6 अक्टूबर 2012 को गिलवर्ट इस्पात प्राइवेट लिमिटेड की बिजली आपूर्ति लंबित बकाया राशि चुकाए बिना ही दोबारा बहाल कर दी गई। यह प्रक्रिया नियमों को ताक पर रखकर एक ही दिन में जल्दबाजी में पूरी की गई। इस दौरान वित्त एवं लेखा शाखा से अनिवार्य मंजूरी भी नहीं ली गई। सप्लाई कोड 2009 की धारा 7.2.1 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन कर कंपनी को विशेष लाभ दिया गया। जांच में सामने आया कि इस कार्रवाई से बोर्ड को लगभग 11.84 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और कंपनी को सीधा फायदा मिला। शिकायत के मुताबिक यह सब कुछ तत्कालीन सीएमडी की मंजूरी से हुआ था। विजिलेंस ने अब भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए और अन्य प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस पूरे प्रकरण के सामने आने से बोर्ड में हड़कंप मच गया है और विजिलेंस की जांच से कई और परतें खुलने की संभावना है। विजिलेंस मुख्यालय को मार्च, 2025 में बोर्ड के चेयरमैन संजय गुप्ता की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी। इस शिकायत में बोर्ड अधिकारियों और कंपनी की मिलीभगत का आरोप लगाया गया था। विजिलेंस ने इस पर प्रारंभिक जांच शुरू की और धारा 17-ए पीसी (संशोधित) अधिनियम, 2018 के तहत आवश्यक अनुमति भी प्राप्त की। सरकार की ओर से अनुमति 23 जून, 2025 को मिल गई थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

महिला सवारियों को गंदी-गंदी गालियां दीं, फिर रॉड लेकर दौड़ाया

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में कैब ड्राइवर द्वारा महिला यात्रियों से गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस दौरान एक युवती ने अपने मोबाइल फोन से आरोपी का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

नोएडा सेक्टर-37 से महिला सवारियों को कैब में बैठाकर चला ड्राइवर बीच रास्ते में उनसे भिड़ गया। जाम वाले रास्ते से जाने का विरोध करने पर उनसे अभद्रता की और बीच सड़क पर उतार दिया। एक युवती द्वारा घटना का वीडियो बनाने पर गाली-गलौज करते हुए उसे रॉड लेकर दौड़ा दिया। पुलिस ने शिकायत मिलने पर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी की पहचान जिला फर्रुखाबाद निवासी बृजेश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के संजय नगर निवासी सपना गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 सितंबर की सुबह साढ़े 9 बजे वह चार सहेलियों के साथ बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पहुंचीं। यहां से सेक्टर-128 स्थित ऑफिस जाने के लिए कैब बुक की। जैसे ही वह कैब में बैठकर चलने लगीं तो उन्होंने ड्राइवर से अनुरोध किया कि वह उन्हें अंडरपास से होकर ले चले। यदि वह यू-टर्न से होकर चलेगा तो वहां बहुत जाम मिलेगा। इससे उन्हें ऑफिस पहुंचने में देर हो जाएगी।

लव जिहाद दलित युवती को मुस्लिम नाबालिक युवक ने प्रेम जाल में फसाया

युवती का माइंड वाश करने का परिजनों ने लगाया आरोप, एफआईआर दर्ज

✷ महेश शर्मा. बिजनौर ✷

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर में लव जिहाद का मामला प्रकाश में आया है। युवती के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार युवती के परिजनों ने तहरीर में आरोप लगाया है कि शहर वह एक हिन्दू परिवार है। पुलिस ने आरोपी को देर रात गिरफ्तार कर लिया है।

उनकी पुत्री एक नाबालिक मुस्लिम युवक ने बहला फुसला कर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया है। घटना के बाद युवती के परिजन समेत सैकड़ों लोग श्हा के वन स्टॉप सेंटर जमा हो गए वह पुलिस से सख्त कार्यवाही करने की मांग कर रहे थे। सरकार द्वारा महिलाओं व्युतियों के लिए चलाई जा रही मिशन शक्ति योजना के बावजूद भी युवतियों व महिलाओं का शोषण रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

जिसके चलते जनपद बिजनौर में एक मुस्लिम समुदाय के नाबालिक युवक ने एक सनातन धर्म की युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इस पूरे प्रकरण को लव जिहाद की शक्ल देते हुए नाबालिग युवक के परिजनों का पूरा हाथ है।

शहर की काशीराम कॉलोनी निवासी एक नाबालिक युवक ने अपने परिजनों के सहयोग से सनातन धर्म की युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा कर सम्मोहित किया। जिसको लेकर लव जिहाद जैसा प्रकरण सामने आ रहा है ।

महिला आयोग की सदस्य संगीता अग्रवाल व भारतीय जनता पार्टी की नेत्री मंजू चौधरी ने काशीराम कॉलोनी पहुंचकर परिजनों को दिया न्याय का आश्वासन। साथ ही आरोपियों को जल्द ही उनके किए की सजा दिलाई जाएगी। भाजपा नेत्रियों ने बताया कि मामला लव जिहाद जैसा प्रतीत हो रहा है। यदि इस पर तुरंत कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो इसी प्रकार सनातन धर्म की लड़कियां मुस्लिम समुदाय के हाथों योन शोषण का शिकार होती रहेगी ।

वहीं पुलिस द्वारा युवती को वन स्टॉप सेंटर भेजे जाने पर पूरे दिन सेंटर पर युवती के परिजनों व समाजसेवी लोगों के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का आवागमन होता रहा। अब देखना यह होगा कि पुलिस के द्वारा क्या कार्रवाई होगी।

मिहिला के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

थाना क्षेत्र के मोहल्ला हिन्दू चौधरीयान तलाई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी रिंकी तोमर पत्नी रंजीत तोमर ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

तहरीर के अनुसार, 26 सितम्बर 2025 को दोपहर लगभग 3 बजे जब रिंकी तोमर अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थीं। तभी पड़ोस में रहने वाली रिंकी सैनी पत्नी दिनेश सैनी ने उन पर झगड़े का इल्जाम लगाकर विवाद शुरू कर दिया।

इसी दौरान महेंद्र पुत्र बनारसी व उसके बेटे मोहित व लवी मौके पर पहुंचे। अपने आप को भाजपा से जुड़ा बताते हुए रिंकी तोमर को मोहल्ले से भगाने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपीगण जबरन घर में घुस आए। उनके साथ गाली-गलौज व अभद्रता की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि महेंद्र व उसके बेटों ने उनके साथ जबरदश्ती करने की कोशिश की,। दुपट्टा खींचकर फेंक दिया, कपड़े फाड़ दिए और डंडों से मारपीट की।

जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। रिंकी तोमर का कहना है कि महेंद्र पहले से ही उन पर गलत नज़र रखता था और मोहल्ले से भगाने की धमकी देता था। पीड़िता ने पुलिस से गुहार लगाई है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। फिलहाल पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रोटरी क्लब गंगा की आंशिक बैठक अमलतास रेस्टोरेंट में आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। रोटरी क्लब गंगा की आंशिक बैठक अमलतास रेस्टोरेंट नजीबाबाद रोड पर संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर राजीव अग्रवाल एवं संचालन श्रीमती रेखा अग्रवाल द्वारा किया गया। बैठक में सितंबर माह मे होने वाले प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई और क्लब अध्यक्ष डॉ राजीव अग्रवाल जी एवं राजीव गुप्ता और शिखा गुप्ता जी का जन्मदिन क्लब के द्वारा के काटकर मनाया गया। क्लब का मीडिया प्रभारी खगेश कुमार शर्मा को सर्वसम्मति से चुना गया। बैठक में चार्ट अध्यक्ष नवीन अग्रवाल जी चार्ट सदस्य गजे सिंह जी पूर्व अध्यक्ष हितेश कुमार शर्मा खगेश कुमार शर्मा डॉक्टर इंदु मिश्रा संजीव शर्मा आदेश भटनागर तृप्ति शर्मा विनोद गुप्ता संजीव शर्मा विमल गुप्ता हितेश शर्मा प्रीति शर्मा राजीव गुप्ता शिखा गुप्ता देवेंद्र चौहान शालिनी गुप्ता तिलकराज डॉक्टर नवनेश कोठारी दिनेश शर्मा रेखा शर्मा अनिल शर्मा पारुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

जिले में डेंगू के 11 नए रोगियों की पुष्टि

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। जिले में शुक्रवार को डेंगू के 11 नए रोगियों की पुष्टि हुई। किसी भी रोगी की हालत गंभीर नहीं है। इसी के साथ इस सीजन में डेंगू के रोगियों की संख्या बढ़कर 358 हो गई। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि गुरुवार तक डेंगू संक्रमित मरीजों की संख्या 347 थी, जो नए मरीज प्रकाश में आने पर बढ़ गई। उन्होंने कहा कि 11 रोगी अस्पतालों में भर्ती हैं। इस सीजन में अभी तक डेंगू पीड़ित किसी भी रोगी की मृत्यु नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में डेंगू के रोगी मिले हैं, वहां पर एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है, जिससे बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचाव करना जरूरी है। बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें, मच्छरदानी का उपयोग करें और घर और उसके आसपास पानी जमा न होने दें। इसके लक्षण, जैसे तेज बुखार और शरीर दर्द, होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। उपचार में पर्याप्त तरल पदार्थ पीना, आराम करना और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं लेना शामिल है।

विवाहिता को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पति और सास गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने विवाहिता को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पति और सास को गिरफ्तार किया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बेटा पैदा नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित किया गया था। मूलरूप से बागपत के रहने वाले अंकित तोमर ने सूरजपुर कोतवाली पुलिस को बताया कि उसने अपनी बहन रितु की शादी वर्ष 2014 में बागपत के ही रहने वाले सोनू मलिक के साथ की थी। सोनू मलिक सीआईएसएफ में बतौर सिपाही के पद पर कार्यरत है। सोनू मलिक अपने परिवार के साथ लखनावली गांव में किराये के मकान में रहता है। आरोपी है कि रीतू को दो बेटियां पैदा हुईं। इसके बाद से सोनू मलिक और उसकी मां शकुंतला बेटा पैदा नहीं होने के लिए रितु को प्रताड़ित करते थे। वे उसे लगातार परेशान कर रहे थे। आरोपियों ने बुधवार को रितु को पीटकर मार दिया। परिजन घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतका के भाई अंकित की शिकायत पर आरोपी सोनू मलिक और उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला था कि रितु ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी की थी। पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी पति सोनू मलिक और सास शकुंतला को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा कार्यालय पर कार्यशाला का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। भाजपा महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता यूपी सिडको के अध्यक्ष वाईपी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है। महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि यह अभियान हर नागरिक को 'वोकल फॉर लोकल बनाकर देश को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा।

वरिष्ठ समजसेवी वसीम कुरैशी ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों तक पंहुचाई मदद

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी वसीम कुरैशी की जानिब से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को मदद पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी के माध्यम से पहुंचने का कार्य किया गया।

गुरुवार को वरिष्ठ समजसेवी वसीम कुरैशी के भाई हाजी यूनुस कुरैशी, हाजी शमीम कुरैशी और उनकी टीम मास्टर अब्दुल सत्तार, हाजी जब्बार कुरैशी, युसूफ पहलवान, गुलज़ार अहमद आदि लोगों ने पंजाब के लुधियाना जमा मस्जिद में पहुंचकर पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी से मुलाकात की।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के हाल चाल जाने और दुआ फाउंडेशन के माध्यम से मदद को शाही इमाम को दी गई। शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी ने सहायता को प्राप्त कर बाढ़ पीड़ितों को देने का वादा किया है। शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी ने बताया कि पंजाब में आई बाढ़ से हजारों की संख्या में गांव में अधिक पानी आने से भारी तबाही मची है।

जिसकी हम पिछले कई दिनों से देश के कोने-कोने से मुस्लिम भाइयो की आई हुई मदद को बाढ़ पीड़ितों तक लगातार पहुंचने का कार्य कर रहे हैं।

इमाम सहाब ने बताया कि दुआ फाउंडेशन और वसीम कुरैशी की जानिब से मदद की धनराशि को बाढ़ पीड़ित तो तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर हाजी यूनुस कुरैशी, हाजी शमीम कुरैशी, हाजी जब्बार कुरैशी, अब्दुल सत्तार पूर्व प्रधानाचार्य, युसूफ पहलवान, गुलजार अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

टीम ने पंजाब के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर पीड़ितों परिवारों को दी मदद

वरिष्ठ समजसेवी वसीम कुरैशी की टीम ने दुआ फाउंडेशन की जानिब से पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान लुधियानवी को मदद सोपी। साथ ही उनकी टीम ने बाढ़ ग्रशत क्षेत्र का दौरा किया व बाढ़ पीड़ितों के परिवारों को बिना फोटो खिंचवाये गुपचुप तरीके से सहायता देकर उनकी मदद करना कार्य किया।

मदद का सिलसिला चलता रहेगा : वसीम कुरैशी

वरिष्ठ समाजसेवी वसीम कुरेशी की ओर से नजीबाबाद मे चलाये जा रहे मदद के कार्य जो की विगत कई वर्षो से चल रहे है वो आगे भी चलते रहेंगे। आपको बता दे की विगत के वर्षों से वसीम कुरैशी की जानिब से नजीबाबाद मे फ्री एम्बुलेंस सेवा, गरीबों को फ्री राशन वितरण का कार्य सहित अन्य मदद करने का सिलसिला लगातार जारी है और आगे भी जारी रहेगा।

डीएम जसजीत कौर ने की रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष की समीक्षा बैठक

पात्र महिलाओं को आर्थिक क्षतिपूर्ति समयबद्ध उपलब्ध कराए

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अपराह्न कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आयोजित उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजनान्तर्गत जिला स्टेयरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज वादों में पीड़िताओं को योजना का लाभ पूर्ण मानक और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी कौर ने कहा कि शासन द्वारा यौन अपराध से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं के लिए इस योजना के तहत आर्थिक क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का दायित्व है कि सभी पात्र पीड़िताओं को नियमों के अनुरूप यथाशीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि वे प्रत्येक प्रकरण की गहन जांच कर पात्रता सुनिश्चित करें और किसी भी श्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना का उद्देश्य न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान करना है बल्कि पीड़िताओं को न्याय की प्रक्रिया में विश्वास दिलाना भी है। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े अधिकारियों को समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, सीएमएस महिला अस्पताल डॉ. प्रभा रानी, जिला प्रोबेशन अधिकारी योगेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण एवं गोष्ठी का आयोजन

सड़ा गलाकर अपने खेतो का जीवांश बढायें

✷ एनसीआर टुडे. कोतवाली ✷

विकास खण्ड कोतवाली के डवाकरा हाल में उत्तर प्रदेश अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम में कृषक प्रशिक्षण एवं गोष्ठी आयोजित की गयी।

डॉ. विकास कुमार, सहायक विकास अधिकारी(कृषि) विकास खंड कोतवाली ने गोष्ठी में कृषकों का अभिनन्दन करते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे जानकारी दी। किसानो से आवाहन किया कि योजनाओं का लाभ लें।

उन्होने कहा कि जनपद में मक्का तथा मिलट्स एवं तिलहन के क्षेत्र में वृद्धि करें। कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जा रही निःशुल्क मिनिकिट, सरसो, मटर, चना, आदि प्राप्त करने हेतु किसान पोर्टल पर पंजीकरण कराएं। कृषक बंधु प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। जिससे शुद्ध अन्न व दुग्ध हमारी नई पीढी को प्राप्त हो सकें।

डॉ. शकुंतला वैज्ञानिक के.वी.के द्वारा तिलहन फसलो की तकनिकी की जानकारी प्रदान की। जिसमें सरसो उत्पादन नई प्रजातियाँ काली सरसो पी.एफ.-32, पूसा जगन्नाथ, पीली सरसो की प्रजाति के-88, पीला सोना, पिताम्बरी, प्रजाति हाईब्रिड-5522, श्रीराम-1666, अपनाकर समय से बुवाई करें। जिसमें संतुलित मात्रा मे खाद एवं उर्वरकों को अपनाकर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है।

प्रगतिशील कृषक शरद कुमार ने मोटे अनाज की खेती को कैसे करें इसके बारे में बताया। प्रशिक्षण में मुकेश कुमार शर्मा सहायक विकास अधिकारी (कृषि) विकास खंड कोतवाली ने गोष्ठी में किसानो को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रेरित किया। साथ ही किसान भाईयों से अनुरोध किया गया कि फसल अवशेष को न जलाये बल्कि अपने खेतो में सड़ा गलाकर अपने खेतो जीवांश बढायें. कार्यक्रम में सैकड़ो किसानो के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर डॉ. विकास कुमार मुकेश कुमार शर्मा, शपंकज शर्मा, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), आदित्य कुमार गौतम, मनोहर कुमार एवं कृषि विभाग के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान-5,0 आयोजित, महिलाओं को मिली सुरक्षा व सम्मान की जानकारी

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर क्षेत्र के गांव खारी में नारी सुरक्षा एवं नारी सम्मान को लेकर मिशन शक्ति कार्यक्रम 5,0आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई मुख्य आरक्षी सुधा ने की, जबकि संचालन महिला कांस्टेबल अनु ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा जारी विभिन्न टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों — 1090, 181, 1076, 112, 108, 102 आदि की जानकारी विश्तार से दी गई।

मुख्य आरक्षी व महिला कांस्टेबल ने महिलाओं को सुरक्षा, सहायता और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

गांव खारी की महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने कहा कि उन्हें अब आपात स्थिति में संपर्क करने के लिए जरूरी नंबरों और सरकारी मदद की जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना बढ़ाते हैं।

इस कार्यक्रम में थाना अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह, कांस्टेबल अमित चौधरी, कांस्टेबल राजीव कुमार, कांस्टेबल अकरम सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वही बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ-साथ ग्राम के सम्मानीत लोगों ने भी प्रति भाग लिया।

मेगा कैंप कम भागीदारी, मीटर की 8 शिकायतें दर्ज, 1.10 लाख जमा

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

बिजली घर पर शुक्रवार को आयोजित मेगा कैंप में उपभोक्ताओं की उपस्थिति

उम्मीद से कम रही। शिविर में कुल आठ शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश मीटर खराबी से जुड़ी थीं।

स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि कैंप की जानकारी समय पर सभी तक नहीं पहुंच पाई। एक उपभोक्ता ने बताया— "सूचना देर से मिली, इसलिए कई लोग शामिल नहीं हो सके।" वहीं, दूसरे उपभोक्ता ने कहा— "कार्यदिवस में कैंप होने से कामकाजी लोग नहीं आ पाए।" कुछ उपभोक्ताओं ने विभागीय कार्यवाही पर भरोसा कम होने को भी कारण बताया।

कैंप के दौरान उपभोक्ताओं से करीब ₹1.10 लाख जमा हुआ। बिजली घर प्रभारी जे.ई. सुदेश कुमार ने कहा कि सभी शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता से किया जाएगा। उपखंड अधिकारी द्वितीय अरविंद कुमार बिंद ने आश्वासन दिया कि उपभोक्ता सुविधा के लिए ऐसे शिविर आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 से 4,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने शुक्रवार को कहा कि पांच दिवसीय मेगा उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 (यूपीआईटीएस 2025) से 4,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ बी2बी बैठकों का उद्घाटन करने के बाद यूपी के कैबिनेट मंत्री सचान ने कहा कि राज्य के 2,400 से अधिक प्रदर्शक विभिन्न क्षेत्रों के विविध उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं, जिसमें वस्त्र, हस्तशिल्प, खादी, परिधान, चमड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और जीआई टैग वाले उत्पाद शामिल हैं, इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान, रक्षा, और चिकित्सा और फार्मा उत्पाद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिल्पकार और कारीगरों को विदेशी खरीदारों से सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा।

दुनिया भर से भाग लेने वालों का स्वागत करते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने कहा कि इस शो में 85 से अधिक देशों के 500 से अधिक विदेशी खरीदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

राज्य के प्रमुख वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) कार्यक्रम और समृद्ध कृषि विरासत को बढ़ावा देने के लिए एक अनोखी पहल के रूप में, एफआईईओ इस कार्यक्रम में विदेशी खरीदारों को काला नमक चावल उपहार में देगा, जो उत्तर प्रदेश की गुणवत्ता, परंपरा और निर्यात उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रल्हन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम से व्यापार में महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। एफआईईओ के एक बयान के अनुसार, पांच दिवसीय प्रदर्शनी में 2,500 से अधिक बी2बी बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे उत्तर प्रदेश भर के 2,000 से अधिक विक्रेताओं और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच सार्थक बातचीत होगी।

साइबर ठगी का बड़ा खुलासा : आरटीओ चालान एपीके फाइल से फोन हैक कर खाते से उड़ाए लाखों रुपये

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले में साइबर अपराधियों ने नई ठगी का तरीका अपनाकर लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

ठगों ने आरटीओ ट्रैफिक चालान के नाम पर एक एपीके फाइल (ऐप) भेजकर मोबाइल हैक किया और बैंक खातों से लाखों रुपये निकाल लिए। अब तक दो मामलों में 7.40 लाख रुपये से अधिक की रकम निकालने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुरादनगर में 6.40 लाख रुपये की ठगी

मुरादनगर के अबूपुर निवासी गौरव शर्मा ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 19 सितम्बर की सुबह उनके मोबाइल पर अचानक कई संदेश आए। फोन की सेटिंग जांचने पर उन्हें पता चला कि कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो चुकी है। कुछ देर बाद उनके खाते से दो बार में कुल 6 लाख 40 हजार रुपये निकलने का संदेश मिला।

शिकायतकर्ता ने तुरंत बैंक जाकर खाता ब्लॉक कराया। इसके बाद मोबाइल की जांच की तो उसमें 'आरटीओ ट्रैफिक चालान' नामक एपीके ऐप मिली, जो पारिवारिक व्हाट्सऐप समूह से डाउनलोड हुई थी। ऐप उनके कजिन के बेटे द्वारा साझा की गई थी। गौरव ने तुरंत ऐप को हटाया और पुलिस को सूचना दी।

एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि साइबर ठगों द्वारा ठगी गई रकम को फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन खातों में पैसा गया है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

मोदीनगर में खाते से निकाले एक लाख रुपये

इसी तरह का एक मामला मोदीनगर से भी सामने आया है। हापुड़ के हरिद्वारी नगर निवासी मनोज कुमार, जो मोदीनगर में नौकरी करते हैं, ने बताया कि बुधवार को अचानक उनके मोबाइल की सभी ऐप काम करना बंद कर दीं। कई बार फोन रीस्टार्ट करने के बावजूद समस्या बनी रही। कस्टमर केयर पर कॉल करने के बाद भी हल नहीं निकला।

शाम तक अचानक मोबाइल सामान्य हो गया, लेकिन देर रात जब उन्होंने खाते का बैलेंस देखा तो उसमें से एक लाख रुपये अलग-अलग किश्तों में निकाले जा चुके थे। इस पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

लोगों को चेतावनी

साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि अनजान लिंक या एपीके फाइल डाउनलोड करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

ऐसे ऐप फोन में इंस्टॉल होते ही मोबाइल का नियंत्रण ठगों के पास चला जाता है और वे बैंकिंग संबंधी सभी जानकारी आसानी से हासिल कर लेते हैं।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि आरटीओ चालान या अन्य सरकारी नामों से भेजी गई संदिग्ध फाइलें कतई डाउनलोड न करें। किसी भी प्रकार का संदेश आने पर संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही जानकारी प्राप्त करें और अनजान नंबर या लिंक पर भरोसा न करें।

टूटी सड़कों की मरम्मत का काम शुरू

एनसीआर टुडे. नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने टूटी सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को सेक्टर-121 पर्थला गोलचक्कर के बने यूटर्न की सड़क के गड्ढे भरे गए। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने दावा कि अगले 10 दिन के अंदर शहर की सड़कों को ठीक कर दिया जाएगा। इस समय शहर में 100 से अधिक सड़कों पर गड्ढे हो रखे हैं। शहर में बीते दो-ढाई महीने की लगातार बारिश से सड़कों की हालत काफी खराब हो गई है। जगह-जगह सड़कों में गड्ढे हो गए हैं। बारिश के कारण प्राधिकरण सड़कों को ठीक कराने का काम नहीं करा सका। इससे लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई। गड्ढों की वजह से जाम लग रहा है। हादसे का खतरा भी रहता है। लोग लगातार सड़कों की ठीक करने की मांग प्राधिकरण के सीईओ से कर रहे थे। नोएडा प्राधिकरण ने अब सड़कों को ठीक कराने का काम शुरू करा दिया है।

संपादकीय

अपने देश की अच्छाई का प्रचार करना भी राष्ट्रधर्म है

जिस प्रकार आकाश को बाहों में नहीं समेटा जा सकता, उसी प्रकार धर्म को भी किसी सीमा में बाँधने का प्रयास करना उसकी ऊँचाई को बौना और उसके विश्तार को संकुचित करने का असफल प्रयास ही होगा। यही कारण है कि धर्म के भव्य और असीम स्वरूप को सीमाओं में नहीं बाँधा जा सका।

धर्म आकाश की तरह अनंत है। तप, त्याग, सेवा ये सब धर्म के ही रूप हैं। इनका विभाजन कैसे किया जा सकता है?घर, परिवार, राष्ट्र हेतु प्रत्येक मनुष्य के अपने कर्त्तव्य हैं। राष्ट्र पर संकट आने पर उसके लिए जनता में जागृति पैदा करना, तन-मन-धन का त्याग करना और वृद्ध, असहाय, अपाहिजों की सेवा करना राष्ट्रधर्म की श्रेणी में रखा जा सकता है। जहाँ अपनत्व है, एक व्यक्ति दूसरे के दुःख-दर्द को अपना मानकर उसके लिए त्याग करने को तत्पर हो जाता है, हजारों मील दूर की मिट्टी को अपनी मानकर उसकी रक्षा हेतु उठ खड़ा होता है, यही राष्ट्रधर्म है। विश्वधर्म के भाव रखने वाला मानव राष्ट्रधर्म के पथ से ही आगे बढ़ता है। अपने देश की सभ्यता एवं संस्कृति का सम्मान अपने राष्ट्र का सम्मान है। अतः जो मेरे राष्ट्र में अच्छा है, उसका अधिक-से-अधिक प्रचार एवं प्रसार हो, ऐसी भावना हर व्यक्ति में होनी चाहिए।

आज हम देख रहे है कि देश मे विरोधी हवा चल रही है। देश का विकास, देश की ख्याति और देश की तरक्की के अनेक दल और अनेक लोग विरोधी है। उन्हें देश का विकास नही पछता है। वे देश के विकसित लक्ष्य को ठुकरा रहे है। उनके विचार और उनकी भावना उजागर हो चुकी है। यह दोगलिनीति रास्ट्रभक्ति नही है, बल्कि पक्ष भक्ति है। सत्ता हथियाने के लिए कुतर्क का सहारा ले रहे है।

अपने देश की अच्छाई का प्रचार करना भी राष्ट्रधर्म है। आजादी के बाद इस देश की स्थिति हमारे समक्ष है। अभी हर क्षेत्र में उन्नति हो रही है। महानगरों में साठ-साठ मंजिलों की इमारतें बन रही हैं। बड़े-बड़े जहाजों तथा उपग्रहों का निर्माण हो रहा है। भव्य अट्टालिकाओं के बोझ से महानगरों की भूमि दबी जा रही है। दूसरी ओर उन्हीं नगरों में बसी झुग्गी-झोंपड़ियों की जगह सरकार मकान दे रही है।

हमारे देश के शासक और सरकार आजादी के बाद गरीबी हटाने एवं समाजवाद लाने की बातें करती रही थी। यह समाजवाद का भाव एक तरह से गरीब और अमीर के मध्य पैदा किया जाने वाला सामंजस्यवाद ही था। क्रान्ति कोई वसंत ऋतु की बहार नहीं होती, जो चमन में सुमन खिला देती है।

यह जब उठती है, तब महलों की नींवें हिल जाती हैं। भगवान महावीर के युग में समाज के एक बड़े वर्ग को शोषित एवं पीड़ित समझकर उन्होंने उचित कदम उठाने की बात कही थी। जैनधर्म में वर्गवाद एवं जातिवाद का कोई स्थान नहीं है। जैन कोई जाति नहीं, बल्कि धर्म है। मगर आज वह जाति के रूप में देखा जा रहा है।

भगवान महावीर बड़े दूरदर्शी थे। वे जानते थे कि जातिवाद का जहर जिस राष्ट्र में घुल जाता है, वह राष्ट्र कमजोर हो जाता है। वे आदमी को आदमी के रूप में देखना चाहते थे। ऐसा आदमी जिसमें प्रेम, दया, करुणा, स्नेह, सौहार्द, त्याग एवं सहकार की भावना कूट-कूटकर भरी हो। कहाँ चला गया हमारा राष्ट्रधर्म? जिस राष्ट्र के लिए हम जीने-मरने की कसमें खाया करते थे।

बड़े-बड़े नेताओं को आदर्श मानकर उनके चित्र घरों में टाँगते थे। आज क्या हो गया है? नेताओं के कुर्सी से उतरते ही चित्र भी उतर जाते हैं। आज पटेल, सुभाष जैसे जन-नेता को हर कोई याद करता है।

एक व्यक्ति के पेट में दर्द होने लगा। वह चिकित्सक के पास गया तो उसने एक गोली दे दी। थोड़ी देर बाद एक वैद्य के पास गया तो वैद्य जी ने उसे चूर्ण दे दिया। राश्ते में हकीम साहब का घर दिखाई दिया। वहाँ पहुँचा तो उन्होंने दवा का घोल पिला दिया। घर आकर माँ से कहा तो उसने अजवायन खिला दी। आधे घण्टे में चार तरह की चिकित्सा ले ली।

पेट पहले से ही अधिक भरा होने के कारण पीड़ा दे रहा था। उसमें थोड़े-से अन्तराल में चार दवाएँ पहुँच गई। अब वे चारों दवाएँ आपस में लड़ने लगीं कि पेट का दर्द मैं ठीक करूँगी, मैं ठीक करूँगी। यह वही बात हो गई कि ज्यों-ज्यों दवा करते गये, त्यों-त्यों रोग बढ़ता ही गया।

आज इस देश की स्थिति भी ठीक उस रोगी के पेट जैसी है। धन और पद का दुरुपयोग करके अपना दल बना लेता है और घोषणा करता है कि इस देश की पीड़ा मैं दूर करूँगा, मैं दूर करूँगा। आजादी के बाद आज भारत उसी दलदल में फँसा हुआ था। रोगी रोग के लिए कराह रहा है। इसका वाश्तविक जिम्मेदार कौन है?

प्रत्येक नागरिक को अपने कर्त्तव्य जानने होंगे ! यह देश तभी उन्नति कर सकेगा, जब शासक और प्रशासक अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का पूर्ण ईमानदारी से निर्वाह करेंगे। विमान हो या बस, उसे चलाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है तो क्या देश चलाने वालों को प्रशिक्षित करने की जरूरत नहीं? सत्ता पक्ष में बैठने पर नेता अलग बात करें और विपक्ष में बैठने पर अलग, यह ठीक नहीं है।

आप किसी भी क्षेत्र में काम करें, राष्ट्र-भावना सदैव विद्यमान रहनी चाहिए। विरोध-प्रदर्शन अनुचित नहीं है। मगर जिससे देश कमजोर हो, ऐसा कदम कभी न उठायें। जापान में विरोध-प्रदर्शन के समय कर्मचारी हाथ पर काली पट्टी बाँधकर नियमित श्रम से अधिक श्रम करते हैं। लेकिन भारत में हिंसा, तोड़फोड़, बन्द एवं हड़तालें की जाती हैं। संसद में विपक्षी दल भी यही करता है। यह राश्ता राष्ट्र को उन्नति के बजाय अवनति की ओर ले जाता है।

प्रत्येक माता-पिता, गुरु-शिक्षक सभी को अपने बच्चों एवं शिष्यों को राष्ट्रधर्म के मूल तथ्यों से परिचित कराना चाहिए कि वे देश के सभी नागरिकों को अपना भाई समझें। उनके सुख-दुःख को अपना मानकर सहयोग करें। स्वतंत्रता का महत्त्व बताते हुए समझायें कि कैसे हमने यह स्वतंत्रता प्राप्त की है। देशभक्तों ने कितने कष्ट सहे, कितनों ने अपने प्राणों का बलिदान किया।

आज हम संकल्प करें कि उनका बलिदान कभी व्यर्थ नहीं होने देंगे। राष्ट्र सुरक्षित है तो महापुरुषों की वाणियाँ सुरक्षित रहेंगी। हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की ज्योति मानवता का अक्षय आलोक बिखेरकर राष्ट्र के भविष्य को ज्योतिर्मय करेगी।

GST दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

इंद्र शेखर शाह

वश्तु और सेवाकर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती से अर्थव्यवस्था को कितना लाभ होगा और अगला सुधार किन क्षेत्रों में किया जाना चाहिए, पर सरकार ने अभी से विचार करना शुरू कर दिया है। जीएसटी दरों के की गई कटौती से न सिर्फ आम लोगों को फायदा हो रहा है बल्कि अमेरिका की ऊंची टैरिफ दरों से होने वाले नुकसान को भी घरेलू श्तर पर पूरा किया जा सकेगा। सरकार के इस कदम से खपत और विकास दर दोनों बढ़ेगी। एक अनुमान के अनुसार इन सुधारों से देश की आर्थिक वृद्धि 7 से 7.5 फीसदी हो सकती है।

जीएसटी परिषद ने अब टैक्स स्लैब को घटाकर पांच की जगह तीन कर दिया है। ज़ाहिर तौर पर ऐसा करके कंपनियों, उत्पादकों, सेवा प्रदाताओं और कर प्रशासकों समेत सभी हितधारकों की परेशानियों को कम किया गया है। निश्चित रूप से जब कर अनुपालन की लागत कम होगी। अब कर की दरें पांच और 18 फीसदी हो गई हैं जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी हानिकारक वश्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू है।

जीएसटी में कई सारे स्लैब होना वैश्विक श्तर पर स्वीकृत टैक्स मापदंडों के भी मुताबिक़ नहीं था। इसने कहीं न कहीं टैक्स दक्षता और कर सरलीकरण के मामले में भारत को पूरी दुनिया में एक कमज़ोर देश बना दिया था। दुनिया के ज़्यादातर देशों में अमूमन जीएसटी और वैट की एक या दो दरें ही प्रचलित हैं, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया में जीएसटी की 10 प्रतिशत की एक ही दर है, न्यूजीलैंड में उत्पादों पर 15 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता है, तो सिंगापुर में 9 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता है, इसी तरह से यूरोपीय संघ में आमतौर पर आवश्यक वश्तुओं पर 17 से 25 प्रतिशत का स्टैंडर्ड वैट और एक रियायती दर (5-10 प्रतिशत) लागू है। इस लिहाज़ से देखा जाए तो भारत में जीएसटी की पांच दरों और उपकर ने इसे एक अपवाद बना दिया था। जीएसटी दरों की वजह से निसंदेह तौर पर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर असर पड़ा और कारोबारियों को तमाम तरह के अनुपालनों का पालन करना पड़ता था।

जीएसटी स्लैब कम करने का यह फैसला हालांकि ऐसा नहीं है, जिससे कर प्रणाली की सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा. राज्यों के लिए राजस्व तटस्थता यानी ऐसे बदलाव जिनसे राज्य सरकारों के खजाने में आने वाले राजस्व में कोई बदलाव न हो, राज्यों को होने वाले नुक़सान की भरपाई के लिए तंत्र विकसित करना और कर आधार को व्यापक बनाना यानी ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को कर के दायरे में लाना, जैसे कई सवाल आज भी क़ायम है, जिन पर गंभीरता से काम करने की ज़रूरत है. हालांकि, इसमें कोई शक नहीं है कि जीएसटी काउंसिल का यह निर्णय संरचनात्मक सुधार के लिहाज़ से बेहद महत्वपूर्ण है और लोगों को ज़्यादा जीएसटी से राहत प्रदान करने के साथ ही सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी करने के बीच संतुलन स्थापित करने वाला है.

जीएसटी स्लैब में किया गया यह सुधार न केवल आवश्यक वश्तुओं और सेवाओं पर टैक्स का बोझ कम करता है, बल्कि कारोबारियों के लिए कर अनुपालन की प्रक्रिया को भी आसान बनाता है, साथ ही यह भारत के घरेलू खपत को भी बढ़ाता है। जीएसटी सुधार के दौरान सरकार ने स्वास्थ्य बीमा और जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाले टैक्स को कम किया है। जिस तरह से विलासिता की वश्तुओं पर अधिक जीएसटी लगाने का ऐलान किया गया है, वो सरकार के व्यावहारिक पक्ष को उजागर करता है, यानी यह दिखाता है कि जो टैक्स देने में सक्षम हैं, उनसे ज़्यादा टैक्स लिया जाएगा। इसके अलावा, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के वर्तमान महौल में अगर भारत अपनी विकास की गति को बरक़रार रखना चाहता है, तो उसके लिए यह बढ़ता हुआ पूंजीगत व्यय और मज़बूत खपत का तालमेल बेहद अहम साबित होगा।

जीएसटी में और सुधार किए जाने की बातें अभी से उठने लगी हैं। इसके साथ ही

अर्थशास्त्री भी विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किया जाने की बातें कर रहे हैं। अब देखना यह हैं कि सरकार किस किस क्षेत्रों में सुधार पर ध्यान दे रही है और उसका लाभ आम लोगों, युवाओं, गरीबों के साथ साथ अर्थव्यवस्था को कितना मिलता है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के किसी भी टैक्स का असर नकारात्मक होता है। अर्थात जितना अधिक टैक्स होगा, उत्पादन उतना ही कम होगा और कम टैक्स होने से मांग बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने दोनों में ही मदद मिलती है। ऐसे में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स सुधारों के माध्यम से टैक्स के बोझ में कमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि की क्षमता 7.0 से 7.5 फीसदी तक बढ़ सकती है। फिलहाल चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.3 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। लेकिन जीएसटी दरों में की गई कटौती के बाद से ही वैश्विक एजेंसियां भारत के विकास अनुमान को बढ़ाना शुरू कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष के आम बजट में आयकर की दर में कटौती से लोगों की खर्च योग्य आय में प्रभावी रूप से वृद्धि हुई है। इससे कुल डिमांड में 2.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होने का अनुमान जताया गया था। जीएसटी दरों में कमी से लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये की डिमांड बढ़ने की उम्मीद है। इस तरह अर्थव्यवस्था में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये का योगदान हो सकता है।

उपभोग में वृद्धि के साथ कंपनियों के लाभ में भी वृद्धि होने की संभावना है। बढ़ी हुई खपत से कंपनियों की बिक्री मात्रा में वृद्धि होगी और वित्त वर्ष 2024-25 के शुद्ध लाभ में 1.0 से 1.5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। विशेषज्ञों की माने तो जीएसटी दरों में कटौती से महंगाई में भी कमी आना स्वाभाविक है लेकिन महंगाई पहले से ही कम है। इस कदम से महंगाई और नीचे आ सकती है। आने वाले समय में आवश्यक वश्तुओं की महंगाई दर 0.15 फीसदी तक नीचे आ सकती है।

अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ के प्रभावों से निपटने में भी जीएसटी दरों में कमी किये जाने से मदद मिलने का अनुमान है। चालू वर्ष में भारत पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव लगभग 0.5 फीसदी हो सकता है। लिहाजा जीएसटी सुधार से इस शुल्क की भरपाई कहीं ज्यादा हो सकती है।

सरकार की माने तो जीएसटी सुधारों से युवाओं के लिए रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर पैदा होंगे। एमएसएमई और स्टार्टअप्स में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी और परिवारों व कारोबारियों पर वित्तीय बोझ कम होगा। इन सुधारों में सरकार ने उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है जहां युवाओं की बड़ी भागीदारी है। इनमें शिक्षा, ऑटोमोबाइल, प्रौद्योगिकी, हश्तशिल्प, फुटवियर, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य प्रसंस्करण और वस्त्र जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इससे समावेशी विकास, स्थिरता और अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के भारत के दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी। नए सुधारों में कई प्रमुख क्षेत्रों की जीएसटी दरें घटाई गई हैं। चमड़ा, जूते, कागज, कपड़ा, हश्तशिल्प, खिलौने, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे उद्योगों को इसमें शामिल किया गया है। अधिकांश वश्तुओं पर जीएसटी 12प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। 2,500 रुपये तक के जूतों पर भी अब सिर्फ 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा फायदा युवाओं और छोटे कारोबारियों को मिलेगा, जिससे उत्पादन लागत घटेगी और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा।

इसी तरह, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए लकड़ी के विकल्पों पर भी जीएसटी घटाया गया है। चावल की भूसी के बोर्ड, जिप्सम बोर्ड, सीमेंट बॉन्डेड पार्टिकल बोर्ड, जूट पार्टिकल बोर्ड, बगास बोर्ड और सिसल फाइबर बोर्ड पर टैक्स 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे एमएसएमई को समर्थन मिलेगा और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों का इश्तेमाल बढ़ेगा।फिटनेस और स्वास्थ्य सेवाओं को भी इस सुधार का लाभ मिलेगा। जिम और फिटनेस सेंटर पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इससे सदस्यता शुल्क सश्ता होगा और अधिक लोग, खासकर युवा और मध्यम वर्गीय परिवार, स्वास्थ्य और फिटनेस सेवाओं का लाभ उठा पाएंगे। इन सुधारों का मकसद उपभोक्ताओं के लिए लागत कम करना, कारोबारियों के लिए नियम सरल बनाना और भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है।

सोनम वांगचुक भी है बेवफा?

बीपी गौतम

भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है। 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोगों की कुछ मांगें रही हैं, जिनको लेकर गृह मंत्रालय ने सकारात्मक व्यवहार किया और वार्ता के लिये निमंत्रण दिया, साथ ही बैठक की तिथि भी तय हो गई, इस सबके बीच में हिंसा का भड़कना अप्रत्याशित है, इसलिये हिंसा के पीछे षडंयत्र होने की बात को स्पष्ट नकारा नहीं जा सकता।

अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक भी अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में हाल ही में हुये जेन- जेड के विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुये लोगों को भ्रमित ही कर रहे थे। सोनम वांगचुक ऊर्जावान व्यक्तित्व के स्वामी हैं, इसीलिये उनसे प्रेरित होकर लोकप्रिय फिल्म में फुंगसुक वांगडू की भूमिका तय की गई थी लेकिन, हाल-फिलहाल के घटनाक्रम को देखा जाये तो, सोनम भी बेवफा ही दिखाई दे रहे हैं, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा घटना

लद्दाख में चल रहा सोनम वांगचुक का अनशन बुधवार को हिंसक आंदोलन में बदल गया। तोड़-फोड़, आगजनी और पथराव के बीच भीड़ ने भाजपा कार्यालय फूंक दिया। , यहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। झड़पों में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 30 पुलिस कर्मियों सहित 80 से अधिक लोग घायल हुये हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प के बाद चार दिवसीय वार्षिक लद्दाख महोत्सव अंतिम दिन बुधवार को रद्द कर दिया गया है। चार दिवसीय लेह महोत्सव रविवार को शुरू हुआ था, इसके समापन समारोह में उप-राज्यपाल कवीन्द्र गुप्ता को सम्मिलित होना था।

बंद के दौरान भड़की थी हिंसा

हिंसा लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा की ओर बुलाये गये बंद के दौरान हुई। 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद एकजुटता दिखाने को बंद का आह्वान किया गया था। मंगलवार को त्सेरिंग अंगचुक (72) और ताशी डोल्मा (60) की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बंद के आह्वान पर लेह शहर में बाजार दुकानें बंद रहीं, बड़ी संख्या में लोग एनडीएस स्मारक मैदान में जमा हो गये थे, इस दौरान छठी अनुसूची और राज्य के समर्थन में नारे लगाते हुये शहर की सड़कों पर मार्च निकाला जाने लगा लेकिन, स्थिति तब बिगड़ गई, जब कुछ लोगों ने भाजपा और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव शुरू कर दिया। कार्यालय परिसर और एक सरकारी भवन के फर्नीचर और कागजात में आग लगा दी। एक समूह ने कई वाहनों को भी फूंक दिया। हालात काबू करने के लिये पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, गोलीबारी भी करनी पड़ी, कई घंटों की भीषण झड़प के बाद स्थिति काबू में आ सकी।

यह हैं प्रमुख मांगें

अनशनकारियों की मांग है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये और छठी अनुसूची का विश्तार किया जाये। संविधान की छठी अनुसूची शासन, राष्ट्रपति व राज्यपाल की शक्तियों, स्थानीय निकायों के प्रकार, वैकल्पिक न्यायिक तंत्र और स्वायत्त परिषदों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली वित्तीय शक्तियों के संदर्भ में विशेष प्रावधान करती है। छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम की जनजातीय आबादी के लिये है।

सकारात्मक वातावरण में भड़क गई हिंसा

लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है, इसलिये इसे अस्थिर करने का सुनियोजित षड्यंत्र कहना अनुचित नहीं होगा। हालांकि 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोग अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, इनमें स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियां बड़ा मुद्दा है। भाषा और संस्कृति के संरक्षण की बात की जा रही है। लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाये जाने एवं संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की भी मांग रही है, इन सबको लेकर ही सोनम वांगचुक संघर्ष करते रहे हैं और हाल-फिलहाल भूख हड़ताल पर बैठे थे, इस बीच लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक मोर्चा (केडीए) के प्रतिनिधियों की केंद्रीय गृह मंत्रालय से छः अक्तूबर को बैठक तय हो गई, सोनम वांगचुक के इस बैठक को तय तिथि से पहले किये जाने के अनुरोध को गृह मंत्रालय ने सकारात्मक लिया और लद्दाख के प्रतिनिधियों को 25 सितंबर को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया था, इस बीच हिंसा भड़क गई, इसलिये माना जा रहा है कि हिंसा के पीछे षड्यंत्र हो सकता है।

गृह मंत्रालय ने यह कहा

गृह मंत्रालय की ओर से बयान जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि सोनम वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया था। हिंसक घटनाओं के बीच, उन्होंने अपना उपवास तोड़ा और स्थिति को नियंत्रित करने के लिये कोई व्यापक प्रयास किये बिना एम्बुलेंस से अपने गांव चले गये। सोनम वांगचुक द्वारा 10 सितंबर 2025 को छठी अनुसूची और लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की गई थी। भारत सरकार इन्हीं मुद्दों पर एपेक्स बॉडी लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समितियों के औपचारिक माध्यम से और नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकों के माध्यम से उनके साथ कई बैठकें हुईं।

बातचीत की प्रक्रिया ने लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण को 45% से बढ़ाकर 84% करने, परिषदों में महिलाओं के लिये एक-तिहाई आरक्षण प्रदान करने और भोटी व पुर्गी को आधिकारिक भाषा घोषित करने जैसे अभूतपूर्व परिणाम दिये हैं, साथ ही 1800 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की गई। हालांकि कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित लोग उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के अंतर्गत हुई प्रगति से खुश नहीं थे और संवाद प्रक्रिया को विफल करने का प्रयास कर रहे थे। उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अगली बैठक 6 अक्तूबर को निर्धारित की गई है, जबकि लद्दाख के नेताओं के साथ 25 और 26 सितंबर को भी बैठकें आयोजित करने की योजना है।

गृह मंत्रालय का कहना है कि जिन मांगों को लेकर सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर थे, वह एचपीसी में चर्चा का अभिन्न अंग हैं। कई नेताओं द्वारा भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह करने के बावजूद, उन्होंने भूख हड़ताल जारी रखी और अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में जेन- जी के विरोध प्रदर्शनों का भड़काऊ उल्लेख करके लोगों को गुमराह किया। गृह मंत्रालय ने कहा कि 24 सितंबर को सुबह लगभग 11.30 बजे उनके भड़काऊ भाषणों से उकसाई गई भीड़ भूख हड़ताल स्थल से निकली और एक राजनीतिक दल के कार्यालय के साथ-साथ लेह के सीईसी के सरकारी कार्यालय पर हमला किया। उन्होंने इन कार्यालयों में आग लगा दी, सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया और पुलिस वाहन को आग लगा दी। बेकाबू भीड़ ने पुलिस कर्मियों पर हमला किया, जिसमें 30 से अधिक पुलिस, सीआरपीएफ कर्मी घायल हो गये। भीड़ ने सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना और पुलिस कर्मियों पर हमला करना जारी रखा। आत्मरक्षा में पुलिस को गोलीबारी करनी पड़ी, जिसमें दुर्भाग्य से कुछ लोगों के हताहत होने की खबर है। सुबह-सुबह हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को छोड़कर शाम 4 बजे तक स्थिति नियंत्रण में आ गई। गृह मंत्रालय ने सोनम वांगचुक के एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस भी निरश्त कर दिया है।

कांग्रेस ने भड़काई लेह में हिंसाः भाजपा

भाजपा सांसद एवं प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि लद्दाख में यह दिखाने की कोशिश की गई कि विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जनरल जेड कर रहे हैं। जब जांच की गई तो, पता चला कि इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जनरल जेड नहीं बल्कि, कांग्रेस कर रही थी। कांग्रेस पार्षद स्टैनजिन त्सेपांग अपर लेह वार्ड से पार्षद हैं, वह मुख्य भड़काने वाले हैं, उनकी और उनके कार्यकर्ताओं ने हिंसा भड़काने की कई तस्वीरें सामने आई हैं, उन्हें हाथ में हथियार लेकर भाजपा कार्यालय की ओर मार्च करते हुए भी देखा जा सकता है, वह भीड़ को उकसा रहे हैं और भाजपा कार्यालय को निशाना बना रहे हैं। भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर नेपाल और बांग्लादेश में हुई घटनाओं जैसी स्थितियों को बार-बार भड़काने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि कांग्रेस पार्षद फुंत्सोग स्टैनज़िन त्सेपाग ने भीड़ को उकसाया और बीजेपी कार्यालय पर हमला करने में शामिल थे।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी इसे 'जेन-जेड लीडर' की करतूत करार दिया। निशिकांत दुबे ने एक्स पर फंटसोग त्सेपाग को राहुल गांधी का करीबी बताते हुये आरोप लगाया कि उन्होंने बीजेपी कार्यालय को आग लगाई, यह है राहुल के मोहब्बत की दुकान का जमूरा, जिसने आज लद्दाख में बीजेपी कार्यालय को आग लगाई, राहुल गांधी का निकटतम व्यक्ति, सोरोस के एजेंट का एजेंट, राहुल गांधी जी के साथ लाल शर्ट में, आज मास्क पहन कर, लद्दाख में भाजपा कार्यालय में आग लगाई गई, राहुल गांधी जी इसके नेतृत्वकर्ता आपका जेन जेड, फंटसोग शतांजिन त्सेपाग, है जो कांग्रेस पार्टी से निर्वाचित वार्ड सदस्य है, आग से खेलने का नतीजा क्या होगा? बीजेपी कार्यकर्ताओं को चुनौती देना बंद करिए।

सोनम वांगचुक ही हैं फुंगसुक वांगडू

सोनम वांगचुक का जन्म 1 सितंबर 1966 को हुआ था, वे इंजीनियर हैं, साथ ही नवाचारी और शिक्षा सुधारक माने जाते हैं, वे छात्रों के एक समूह द्वारा 1988 में स्थापित स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीओएमएल) के संस्थापक-निदेशक भी हैं, इस समूह का मानना है कि वो एक ऐसी विदेशी शिक्षा प्रणाली के पीड़ित हैं, जिसे लद्दाख पर थोपा गया है।

सोनम वांगचुक को एसईसीएमओएल परिसर को डिजाइन करने के लिये भी जाना जाता है, जो पूरी तरह से सौर-ऊर्जा पर चलता है, यहां खाना पकाने, प्रकाश या, कमरे गर्म रखने के लिये जीवाश्म ईंधन का उपयोग नहीं किया जाता है। सोनम ने बर्फ-श्तूप तकनीक का आविष्कार किया है, जो कृत्रिम हिमनदों (ग्लेशियरों) का निर्माण करता है, शंकु आकार के इन बर्फ के ढेरों को सर्दियों के पानी को संचय करने के लिये उपयोग किया जाता है। सोनम वांगचुक को सरकारी स्कूल व्यवस्था में सुधार लाने के लिये सरकार, ग्रामीण समुदायों और नागरिक समाज के सहयोग से 1994 में ऑपरेशन न्यू होप शुरु करने का श्रेय भी दिया जाता है। फिल्म थ्री इडियट्स में आमिर खान का किरदार फुंगसुक वांगडू सोनम वांगचुक के जीवन से ही प्रेरित था।

(लेखक, दिल्ली से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक गौतम संदेश के संपादक हैं)

सड़क पर कफ़न बुनती सफ़ेद लाइट

डॉ. सत्यवान सौरभ

रात का सफ़र हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। अंधेरा, धुंध, बारिश-ये सभी कारक सड़क पर जोखिम बढ़ाते हैं। लेकिन आज एक नया और अनदेखा खतरा हमारी सड़कों पर फैल रहा है-वाहनों की तेज़ सफ़ेद हेडलाइट्स। यह चमक केवल आँखों को चुभती नहीं, बल्कि कई बार सड़क हादसों का कारण बनती है। भारत में हर साल लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं और लाखों लोग घायल होते हैं।

इनमें से बड़ी संख्या रात के समय होती है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि इन हादसों में सफ़ेद हेडलाइट्स की तेज़ चमक की बड़ी भूमिका होती है। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं है। यह परिवारों की टूटन, बच्चों की बेबसी और मात-पिता की पीड़ा का कारण बनती है।

सफ़ेद हेडलाइट्स की रोशनी पारंपरिक पीली रोशनी की तुलना में कहीं अधिक तेज़ होती है। इंसान की आँखें नीली-सफ़ेद रोशनी के प्रति संवेदनशील होती हैं। जब यह तेज़ रोशनी सीधे सामने से आती है, तो चालक और पैदल यात्री दोनों कुछ सेकंड के लिए अंधे हो जाते हैं। इसी पल में हादसा हो जाता है। बाइक सवार गिर जाते हैं, ट्रक या बस चालक वाहन पर नियंत्रण खो देते हैं और पैदल यात्री जीवन-मृत्यु की स्थिति में फँस जाते हैं। बुज़ुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि उनकी आँखें पहले से संवेदनशील होती हैं।

सड़क हादसा केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है। यह पूरे परिवार की ज़िंदगी बदल देता है। बच्चे अपने माता-पिता से दूर हो जाते हैं, माता-पिता अपने बच्चों को खो देते हैं। कई परिवार हमेशा के लिए अधूरे हो जाते हैं। हादसों का आर्थिक प्रभाव भी बहुत बड़ा है। सड़क हादसों की वजह से हर साल भारत को जीडीपी का लगभग तीन प्रतिशत नुकसान होता है। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं है; यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने इस समस्या को पहले ही समझ लिया था। यूरोप, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में हेडलाइट्स की चमक और रंग पर सख़्त नियम हैं। वहां पीली हेडलाइट्स को प्राथमिकता दी जाती है। यह केवल आँखों के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि बारिश और धुंध में सड़क भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन ढीला है। वाहन निर्माता गाड़ियों में चमकदार हेडलाइट्स लगाते हैं और आम लोग अक्सर इस खतरे के प्रति जागरूक नहीं होते।

भारत में समस्या को और बढ़ाने वाले कारण हैं-अनियंत्रित आफ्टर-मार्केट फिटिंग, यानी लोग बिना सोचे-समझे एलईडी हेडलाइट्स लगवा लेते हैं; कानून का पालन न होना और सड़क सुरक्षा की अनदेखी; जागरूकता की कमी, जहां अधिकतर लोग नहीं जानते कि उनकी सफ़ेद हेडलाइट दूसरों के लिए खतरा बन सकती है।

इस समस्या का समाधान मुश्किल नहीं है। जरूरत है कि सरकार, वाहन निर्माता और आम लोग मिलकर काम करें। सरकार को हेडलाइट्स की चमक और रंग (कलर टेम्परेचर) पर स्पष्ट मानक तय करने होंगे। 4300K से अधिक कलर टेम्परेचर वाली सफ़ेद हेडलाइट्स पर रोक लगानी चाहिए। सड़क परिवहन विभाग को नियमित जांच और सख़्त कार्रवाई करनी होगी। वाहन निर्माता डिफ़ॉल्ट रूप से सुरक्षित और पीली हेडलाइट्स लगाएँ और ब्राइटनेस के बजाय सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

साथ ही, जागरूकता अभियान बहुत जरूरी हैं। जनजन गुप्ता जैसे अभियान राष्ट्रीय श्तर पर फैलाए जाएँ। टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया पर "पीली हेडलाइट लगाओ-ज़िंदगी बचाओ" जैसे संदेश व्यापक रूप से साझा किए जाएँ। आम लोग खुद पहल करें, अपनी गाड़ी की हेडलाइट सुरक्षित बनाएं और अपने परिवार व मित्रों को भी जागरूक करें।

जनजन गुप्ता अभियान का संदेश सीधा और असरदार है-"सफ़ेद चमक नहीं, पीली दोश्ती चाहिए। " यह केवल नारा नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है। यदि हम सब मिलकर इसे अपनाएँ, तो सड़कें सुरक्षित होंगी, परिवार हादसों से बचेंगे और रात का सफ़र डर-मुक्त होगा।

सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करना नहीं है, यह मानव जीवन की रक्षा का सवाल है। सफ़ेद हेडलाइट जैसी छोटी चीज़ भी बड़े पैमाने पर मौत और दर्द का कारण बन सकती है। हर हादसा सिर्फ़ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की त्रासदी है।

भारत में यह समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। हर दिन सड़कों पर तेज़ सफ़ेद लाइट से प्रभावित होकर दुर्घटनाएँ होती हैं। इनमें से कई हादसे जानलेवा होते हैं। बुज़ुर्ग, बच्चे और पैदल यात्री सबसे कमजोर होते हैं। तेज़ सफ़ेद रोशनी उन्हें अपनी दिशा में निर्णय लेने का समय नहीं देती और हादसा अनिवार्य हो जाता है। कई परिवारों की ज़िंदगी इस वजह से हमेशा के लिए बदल जाती है।

सड़क पर हुई दुर्घटना केवल सड़क हादसा नहीं है, यह सामाजिक त्रासदी है। बच्चे अपने माता-पिता से दूर होते हैं, माता-पिता अपने बच्चों से। कई परिवार कभी फिर पूरी तरह से खुश नहीं हो पाते। इसके अलावा, हादसों के कारण इलाज और रिकवरी पर बहुत खर्च होता है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित होते हैं।

दुनिया में कई देशों ने पहले ही कदम उठाए। यूरोप, जापान और अमेरिका में पीली हेडलाइट्स को प्राथमिकता दी जाती है। तेज़ सफ़ेद हेडलाइट्स पर प्रतिबंध है। भारत में नियम हैं लेकिन उनका पालन कमजोर है। वाहन निर्माता चमकदार हेडलाइट्स को फैशन या मार्केटिंग के लिए बढ़ावा देते हैं, और लोग जागरूक नहीं हैं।

इसका समाधान सरल है। सरकार को नियम बनाकर उनका पालन करना चाहिए। वाहन निर्माता सुरक्षित और पीली हेडलाइट्स लगाएँ। आम लोग खुद कदम उठाएँ और दूसरों को भी जागरूक करें। अभियान जैसे जनजन गुप्ता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं है, यह जिंदगी की रक्षा है। सफ़ेद हेडलाइट्स जैसी छोटी-सी चीज़ कई जानों को खतरे में डाल सकती है। एक पल की तेज़ रोशनी कई परिवारों के लिए हमेशा के अंधकार का कारण बन सकती है। अगर हम सब मिलकर जागरूकता फैलाएँ और सुरक्षित हेडलाइट अपनाएँ, तो सड़कें सुरक्षित होंगी, हादसों से परिवार बचेंगे और रात का सफ़र भयमुक्त होगा।

आज समय है कि हम सब मिलकर आवाज़ उठाएँ, सरकार से नियम सख़्त करवाएँ, वाहन निर्माता अपनी ज़िम्मेदारी समझें और आम लोग जागरूक होकर बदलाव लाएँ। एक पल की चमक अगर जीवन का अंधकार बना सकती है, तो क्यों न उसी पल को जीवन और सुरक्षा की रोशनी में बदल दिया जाए।

सड़कें सुरक्षित हों, हादसों से परिवार बचें और रात का सफ़र डर-मुक्त बने-यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

विश्वविद्यालय में शिक्षकों की नियुक्तियों वाली कमेटी में होगा शासन का प्रतिनिधि

पारदर्शी होगी प्रक्रिया

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर नियुक्तियों की कमेटी में अब शासन का भी प्रतिनिधि नामित किया जाएगा ताकि नियुक्ति प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो। इतना ही नहीं विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों, नए पाठ्यक्रमों की मान्यता व नए महाविद्यालयों की स्थापना के लिए एनओसी जारी करने की प्रक्रिया में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बृहस्पतिवार को विधान भवन स्थित कार्यालय

में विभागीय समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए जल्द ही एक समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन न करने पर संबंधित कुलपति की जिम्मेदारी शासन स्तर पर तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व सर्वोच्च प्राथमिकता है।
मंत्री ने अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों की भांति विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान दिए जाने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया। बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, विशेष सचिव गिरजेश त्यागी व निधि श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।
शिक्षक पुरस्कार जल्द शुरू करने की तैयारी- बैठक में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दिए जाने वाले शिक्षक पुरस्कार को जल्द शुरू करने पर सहमति बनी। मंत्री ने इसके लिए अधिकारियों को कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत मूल्यांकन समिति का गठन किया जाएगा।

रनवे पर टेकऑफ से पहले विमान में आई खराबी, तीन घंटे तक गड़बड़ी खोजते रहे इंजीनियर

वाराणसी एजेंसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब बंगलूरू के लिए रवाना होने वाली अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट क्यूपी 1424 उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। उस समय विमान में कुल 143 यात्री सवार थे। तीन घंटे तक इंजीनियर गड़बड़ी खोजते रहे लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में कुछ यात्रियों को पास के होटल में ठहराया गया। कुछ यात्रियों ने टिकट रद्द करा के पैसे वापस ले लिए। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार मुंबई से

क्यूपी 1491 नंबर की फ्लाइट वाराणसी एयरपोर्ट पर शाम लगभग 7.20 बजे उतरी थी। यही विमान महज आधे घंटे बाद क्यूपी 1424 बनकर वाराणसी से बंगलूरू के लिए 7.55 बजे उड़ान भरने वाली था। यात्रियों को बोर्डिंग कराने के बाद विमान को एप्रन से पुश बैक कर रनवे की ओर भेजा ही जा रहा था कि तभी पायलट को टेक्निकल फॉल्ट की जानकारी हुई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को रनवे से रोककर दोबारा एप्रन पर खड़ा कर दिया गया। तकनीकी टीम ने तत्काल जांच शुरू की और विमान को उड़ान योग्य बनाने की कवायद देर रात 10.55 तक जारी रही।
अचानक आई इस समस्या से यात्रियों को तीन घंटे तक परेशानी उठानी पड़ी। यात्रियों को एयरपोर्ट परिसर में ही इंतजार करना पड़ा। एयरलाइंस अधिकारियों ने बताया कि विमान में तकनीकी खराबी के चलते विमान उड़ान नहीं भर सका। विमान को ग्राउंड पर खड़ा करना पड़ा। विमान यात्रियों को एयरलाइंस के द्वारा नजदीकी होटल में रात्रि विश्राम की व्यवस्था कराई गई है। अगले दिन यात्रियों को उनके गंतव्य को रवाना किया जायेगा। वहीं कुछ यात्रियों ने अपने टिकट का रिफंड को लेकर यात्रा को निरस्त कर एयरपोर्ट से वापस चले गए।

ताजमहल में शादी, आगरा किला में फोटो शूट...

वेडिंग इंडस्ट्री ने दिए ये सुझाव, सरकार को भेजा जाएगा प्रस्ताव

आगरा एजेंसी। आगरा में टीटीजेड की बाध्यता से सीमित होते उद्योगों के बीच वेडिंग इंडस्ट्री के जरिये पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हरीपर्वत स्थित होटल में वेडिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सेमिनार में उद्यमियों ने मंथन किया। इसमें वक्ताओं ने ताजमहल, आगरा किला, सिकंदरा, फतेहपुर सीकरी, ग्यारह सीढ़ी समेत अन्य स्मारकों पर डेस्टिनेशन वेडिंग की अनुमति की जरूरत बताई। उद्यमियों ने कहा कि इससे देश-विदेश से लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए आगरा का रुख करेंगे। सरकार को राजस्व और युवाओं को रोजगार मिलेगा और शहर का विकास भी तेजी से होगा।

आगरा टूरिस्ट वेलफेयर चैंबर के अध्यक्ष प्रह्लाद अग्रवाल ने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है और इसे भुनाने की जरूरत है। आगरा किला और ताजमहल के बीच में उद्यान विभाग की काफी जमीन है। यहां स्मारक, यमुना नदी, बगीचा के अलावा सड़क से कनेक्टिविटी भी है। सरकार इसे और विकसित करे तो ये बेहतर लोकेशन बन सकती है।

नॉर्दन रीजन इंडिया एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के चेयरमैन सुनील गुप्ता ने कहा कि टीटीजेड की बाध्यता के चलते नए उद्योग लगाना आसान नहीं है। ऐसे

में धरोहर आधारित वेडिंग इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिले। एएसआई तय स्मारकों की सूची बनाए जिसमें डेस्टिनेशन वेडिंग हो सकें। इससे देश-विदेश के लोग भी आकर्षित होंगे। होटल एंड रेस्टोरेंट ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश वाधवा और आगरा टूरिस्ट गिल्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमूल्य कक्कड़ ने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग उद्योग विकसित होने से होटल व्यवसाय, कैटरिंग, सजावट समेत कई उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। वेडिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि सेमिनार में आए सभी प्रस्तावों का ड्राफ्ट बनाकर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। आगरा, मथुरा, वाराणसी समेत अन्य शहरों को स्पेशल वेडिंग सिटी घोषित किए जाने से शहरों का विकास भी होगा। संचालन सचिन उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में सौरभ सिंघल, सीपी चौधरी, रिचा भदौरिया, सनी गुप्ता, विनोद चौधरी, हर्ष सिसौदिया, पंकज गोयल, कमलप्रीत सिंह, शिखा जैन आदि मौजूद रहे।

स्मारक परिसर में दो महिला पर्यटक गिरकर घायल

स्मारक परिसर में बृहस्पतिवार शाम को दो महिला पर्यटक गिरकर घायल हो गईं। दोनों महिलाओं को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजकर उपचार कराया गया।
गुवाहाटी, असम निवासी शीतल पत्नी पंकज टिकट लेकर नीचे उतर रही थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से गिर गईं। उनके हाथ एवं पैर में चोटें आईं। इसके कुछ देर बाद ही दरगाह में बुलंद दरवाजा की सीढ़ियों पर पैर फिसलने से भरतपुर, राजस्थान निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी चंदन सिंह चोटिल हो गईं।

टेक्नीशियन ही करा रहे थे मोबाइल टावरों से बैटरी और डीजल चोरी

तीन गिरफ्तार, छह पर रिपोर्ट

मेरठ एजेंसी। एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) आगरा की टीम ने इंचौली क्षेत्र से बृहस्पतिवार सुबह मोबाइल कंपनी के टावरों से बैटरी और डीजल चुराने वाले तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में बैटरी बरामद हुई हैं। ये लोग बैटरी बैंक बनाकर टावरों से डीजल चोरी कर मोबाइल कंपनियों को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे थे। छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

टीम प्रभारी यतींद्र शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टावरों से बैटरी और डीजल चोरी की सूचना मिल रही थी। बृहस्पतिवार सुबह इंडस टावर लिमिटेड कंपनी के एरिया मैनेजर मनोज कुमार सिंह और पूर्व कर्मचारी हर्ष ने सूचना दी कि चोरी की बैटरी टेंपो से सप्लाई करने के लिए टेक्निकल मैनेजर बागपत के ठाकुरद्वारा निवासी अंकेश कौशिक के कहने पर उसका टेक्नीशियन मौजिजाबाद नागल जिला बागपत निवासी गौरव निकला है। इस सूचना पर मसूरी फ्लाईओवर पहुंचे गौरव भाग निकला। इसके बाद टीम ने एक टेंपो रुकवा लिया। इसमें सवार युवकों से पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम गांव बिराल जिला मुजफ्फरनगर निवासी ओमपाल और मौजिजाबाद नागल निवासी विवेक पंवार बताए। यह भी बताया कि वे बेस्ट फॉर सोल्यूशन कंपनी के लिए काम करते हैं। उनके साथ टेक्नीशियन सुशील भड़ाना निवासी भड़ौली जदौड़ा चोरी को अंजाम देते हैं। उनका गिरोह प्रत्येक टावर से 5-6 हजार रुपये का डीजल चोरी कर बेचता है। इससे मिले रुपये अंकेश के साथ मिलकर बांट लेते हैं। इसकी एवज में अंकेश उन्हें साइटों पर काम देता है। आईएमई के मैनेजर लोकेश तोमर निवासी गाजियाबाद उन्हें विभिन्न क्षेत्रों से चोरी बैटरी उपलब्ध कराता है।

इतने टावर हैं आवंटित

जांच टीम के अनुसार ओमपाल सिंह को 28, विवेक को 22, गौरव को 32 टावर आवंटित हैं। अंकेश के अधीन 35 टेक्नीशियन काम करते हैं। एसटीएफ दोनों को पकड़कर इंचौली थाने ले गई और बैटरी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दी। अंकेश और लोकेश को गाजियाबाद से एसटीएफ की टीम उनके मुख्यालय भिजवाकर इंचौली थाने में बुलवाया। अंकेश परिजनों के साथ आया। लोकेश नहीं आया और मोबाइल बंद कर लिया।

सर मेरा पेपर छूट जाएगा

मदद कर दीजिए, 112 नंबर पर छात्रा ने किया कॉल, पीआरवी ने किया ये काम

मेरठ एजेंसी। मैनपुरी से बृहस्पतिवार को एसएससी सीजीएल (कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा) देने आई अभ्यर्थी इशिका भैसाली बस अड्डे पर उतरी तो केंद्र 23 किमी दूर होने का पता चलने पर परेशान हो गई। उसने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस से मदद मांगी। इस पर पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) ने अभ्यर्थी को समय से परीक्षा केंद्र तक पहुंचा दिया। मैनपुरी निवासी इशिका की बृहस्पतिवार को जानी के कुराली स्थित शांति इंस्टीट्यूट में एसएससी सीजीएल की परीक्षा थी। रास्ते में देरी होने पर करीब 11 बजे वह भैसाली बस अड्डे पर उतरी। यहां उसे पता चला कि परीक्षा केंद्र करीब 23 किमी दूर है। यहां से सीधी सवारी भी नहीं मिलती है। ऐसे में परीक्षा छूटने के डर छात्रा को सताने लगा। उसने कुछ लोगों से मदद मांगी लेकिन कोई भी इसके लिए तैयार नहीं हुआ। इससे इशिका काफी परेशान हो गई। तभी उसने 112 नंबर पर कॉल की और मदद मांगी। महिला हेड कांस्टेबल इंदु कौशिक, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार और कांस्टेबल राहुल कुमार पीआरवी से छात्रा के पास पहुंचे। परेशानी जानने के बाद पीआरवी से उसे समय से केंद्र पर पहुंचा दिया। इस दौरान रास्ते में एक अन्य महिला अभ्यर्थी को भी समय से केंद्र पहुंचने में देरी हो रही थी।

'ताला तालीम व आध्यात्मिक रचनाओं व हरियाली से शहर का प्रवेश बनेगा भव्य व आकषर्ण

एक करोड़ 25 लाख की लागत से अलीगढ़ द्वार का हुआ शिलान्यास

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा द्वारा शहर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

नादा पुल रोड से आगे बनने वाले भव्य "अलीगढ़ द्वार" का शिलान्यास आज महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। इस स्वागत द्वार के निर्माण पर लगभग एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये की लागत आएगी।

अलीगढ़ द्वार लगभग 60 मीटर लंबा, 25 मीटर चौड़ा और 7.2 मीटर ऊँचा होगा। यह द्वार न केवल अलीगढ़ आने वाले लोगों का स्वागत करेगा, बल्कि शहर की पहचान "ताला और तालीम" की नई मिसाल भी पेश करेगा। दिल्ली और नोएडा की तर्ज पर बनाया जाने वाला यह द्वार, प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह अहसास दिलाएगा कि वह शिक्षा और सुरक्षा (लॉक इंडस्ट्री) की धरती अलीगढ़ में प्रवेश कर रहा है।

महापौर प्रशांत सिघंल ने कहा कि अलीगढ़ की पहचान देश और दुनिया में ताला उद्योग और शिक्षा नगरी के रूप में है। इस स्वागत द्वार का निर्माण हमारी सांस्कृतिक धरोहर और गौरवशाली इतिहास को और सशक्त करेगा। आने वाले समय में जब भी कोई व्यक्ति अलीगढ़ की धरती पर कदम रखेगा तो यह भव्य द्वार उसे यहां की परंपरा और प्रगति का संदेश देगा।

ही नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम अलीगढ़ लगातार शहर के बुनियादी ढांचे को आधुनिक स्वरूप देने के लिए कार्य कर रहा है।

इसका एक सशक्त उदाहरण है। स्वागत द्वार परियोजना के अंतर्गत शहर के छह प्रमुख एंट्री मार्ग पर अलीगढ़ स्वागत द्वार बनाने की कार्य योजना है।

इस श्रृंखला के क्रम में पहले नादा पुल बाईपास पर अलीगढ़ द्वारा बनाया जा रहा है 60 मीटर की लंबाई और 25 मीटर चौड़ाई में निर्मित यह द्वार न केवल वाश्तु दृष्टि से भव्य होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अलीगढ़ की पहचान को संजोने का कार्य करेगा।

शंकराचार्य के व्यवहार से हो रहा सनातन का सर्वनाश : अन्नपूर्णा भारती

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

महामंडलेश्वर डॉक्टर अन्नपूर्णा भारती पुरी ने पाताल खेड़िया में मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यक्रम के लिए विधान परिषद सदस्य चौधरी ऋषिपाल सिंह की बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि नए मंदिर बनने से कहीं ज्यादा अच्छा है पुराने शक्ति केंद्रों को जागृत किया जाए। चौधरी ऋषिपाल सिंह द्वारा उठाया गया कदम निश्चित रूप से सनातन को एक नए आयाम पर पहुंचने वाला है। सनातन को बचाने के लिए पुराने शक्तिपीठ और पुराने मंदिरों की जीर्णोद्धार कर शक्ति केंद्र के रूप में खड़ा करने की आवश्यकता है।

शंकराचार्य की रुढ़ादी परंपरा से सनातन का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। वाश्तविकता यह है कि आदि शंकराचार्य का जहां जन्म हुआ उस केरल में आज सनातनी हिंदू समाप्ति की ओर है सनातन के 325 आश्रमों में से लगभग 300 में ताला लग चुका है केरल हिंदू विहीन हो गया उसका श्रेय पूर्ण रूप से चारों पीठों के शंकराचार्य को जाता है।

जिन्हें सनातन का ध्वजवाहक कहा जाता है वही शंकराचार्य आज एक दूसरे को फर्जी बताने में लगे हुए हैं वाश्तविकता यह है।

शंकराचार्य ने सनातन को इतना जटिल स्थापित कर दिया है कि लोग आज सनातनी परंपराओं से बचने का प्रयास करते हैं।

उद्योग-व्यापार समस्याओं का होगा समयबद्ध निस्तारण : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में उद्यमियों एवं व्यापारियों की समस्याओं पर विश्तार से चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उद्योग एवं व्यापार से संबंधित प्रकरणों का निश्तारण प्राथमिकता, पारदर्शिता और समयबद्धता से किया जाए। कोई भी मामला अनावश्यक रूप से लंबित न रहे।

बैठक में निवेश प्रोत्साहन, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता और अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उद्यमियों की समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संयुक्त आयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार ने बैठक का संचालन किया। उन्होंने बताया कि तालानगरी में 132 केवीए उपकेंद्र की स्थापना का समाधान अब तक नहीं निकल सका है।

इस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को तत्काल निर्णय लेकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।अप्रेंटिसशिप अधिनियम के अंतर्गत अब तक 274 प्रशिक्षुओं को नियोजित किया जा चुका है, जिनमें से 42 को विद्युत विभाग में नियुक्त किया

गया है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि और अधिक प्रशिक्षुओं को औद्योगिक इकाइयों एवं विभागों में भेजा जाए। अतरौली औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड के ऊपर से गुजर रही 33 केवीए एवं 11 केवीए विद्युत लाइन तीन माह में भी शिफ्ट न किए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी की लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पांच दिन में कार्य पूर्ण न हुआ तो निलंबन की संश्तुति शासन को भेजी जाएगी।

व्यापार बंधु बैठक में नगर निगम को पत्थर बाजार में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और गांधी पार्क चौराहे पर शीघ्र शौचालय निर्माण के निर्देश दिए गए। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र ताला नगरी से नेकराम शर्मा, लल्लू सिंह, पवन खंडेलवाल, व्यापार संघ से सतीश माहेश्वरी, कमल गुप्ता और औद्योगिक स्थान आईटीआई रोड से आदित्य बजाज उपस्थित रहे।

हाईटेंशन बिजली के पोल पर चढ़ा युवक...

ऐसा मंजर देखकर मचा हड़कंप; पुलिस समझाने में जुटी

महराजगंज एजेंसी। घुघली थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में शुक्रवार सुबह एक अजीबोगरीब घटना ने सभी का ध्यान खींचा। गांव के पश्चिमी छोर पर स्थित हाईटेंशन बिजली के पोल पर एक युवक चढ़ गया, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सुबह करीब 7~30 बजे युवक ने अपनी साइकिल को किनारे खड़ा किया और पोल पर चढ़ना शुरू कर दिया। एक ग्रामीण ने उसे देखा और तुरंत गांव वालों को सूचित किया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घुघली थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और युवक को समझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, युवक किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है और पोल पर ही बैठा हुआ है। पुलिस लगातार उससे बातचीत कर रही है, ताकि उसे सुरक्षित नीचे उतारा जा सके। थाना अध्यक्ष कुंवर गौरव ने बताया कि युवक से संवाद स्थापित करने और उसके इस कदम के कारणों को समझने की कोशिश की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

गांव वालों के बीच चर्चा है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है, लेकिन अभी तक युवक के पोल पर चढ़ने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस और स्थानीय लोग लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पुलिस युवक को सुरक्षित नीचे उतारने में सफल होगी या नहीं।

दुकान के नाम पर नेगी ने 19 लाख हड़पे, कुर्की नोटिस चस्पा करने पहुंची थी टीम, ब्याज समेत 21 लाख चुकाए

कानपुर एजेंसी। कानपुर में सदर तहसील की टीम की ओर से चलाए जा रहे विशेष वसूली अभियान के तहत गुरुवार को केशवपुरम स्थित नेगी डेवलपर्स से 21 लाख की वूसली की गई। दरअसल, टीम यहां रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट एक्ट) के तहत कुर्की का नोटिस चस्पा करने पहुंची थी। कार्रवाई के डर से डेवलपर्स की ओर से दुकान के नाम पर हड़पे गए 19 लाख रुपये ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये चुका दिए गए। टीम ने अन्य स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 1.05 करोड़ रुपये की वसूली की। केशवपुरम स्थित नेगी डेवलपर्स को एक व्यक्ति ने

दुकान खरीदने के बदले 19 लाख रुपये दिए थे। नेगी ने पैसे तो ले लिए लेकिन दुकान पर कब्जा नहीं दिया। पीड़ित ने रेरा में वाद दायर कर दिया। रेरा ने गजेंद्र सिंह नेगी के खिलाफ 19 लाख रुपये की आरसी जारी की थी।

ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये की वसूली- इस पर एसडीएम सदर ने गुरुवार को कुर्की की नोटिस चस्पा करने के लिए तहसीलदार सदर विनय कुमार, नायब तहसीलदार रश्मि सिंह संग्रह अमीन ध्रुव नारायण द्विवेदी और मनोज दीक्षित की टीम भेजी। इसकी जानकारी मिलते ही नेगी दुकान की ली गई पूरी धनराशि लेकर पहुंच गए। टीम ने ब्याज समेत कुल 21.23 लाख रुपये की वसूली की।

एशिया कपः

अभिषेक शर्मा महारिकॉर्ड बनाने के करीब

तोड़ देंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान का यह कीर्तिमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को एशिया कप 2025 के सुपर 4 चरण में अपना तीसरा मैच श्रीलंका के खिलाफ खेलना है और इस मैच में भारतीय ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार मौका होगा।

एशिया कप 2025 में अब तक अभिषेक ने गजब की बैटिंग की है और उन्होंने 5 मैचों में 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर मौजूद हैं। भारतीय टीम फाइनल में पहुंच चुकी है और श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया अपनी तैयारियों को और पुख्ता करेगी।

रिजवान को पीछे छोड़ अभिषेक के पास नंबर 1 बनने का मौकाः इस एशिया कप में भारत को लगभग हर मैच में धमाकेदार शुरुआत देने वाले अभिषेक शर्मा के पास पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का मौका होगा। टी20 एशिया कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड रिजवान के नाम पर दर्ज है। उन्होंने साल 2022 में एशिया कप में 6 मैचों में कुल 281 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2022 में ही 5 मैचों में 276 रन बनाए थे। अभिषेक इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने अब तक इस सीजन में खेले 5 मैचों में 248 रन बना लिए हैं। अब अभिषेक श्रीलंका के खिलाफ अगले मैच में जैसे ही 34 रन बनाएंगे वो टी20 एशिया कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले नंबर पर आ जाएंगे और रिजवान दूसरे नंबर पर खिसक जाएंगे।

टी20 एशिया कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर

मोहम्मद रिजवान- 281 रन- 2022
विराट कोहली- 276 रन- 2022
अभिषेक शर्मा- 248 रन- 2025

केएल राहुल की यादगार पारी... इंडिया-ए ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच दो मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 से 26 सितंबर तक लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारत-ए टीम ने 5 विकेट से जीत हासिल की थी. भारत-ए टीम को जीत के लिए 412 रनों का मुश्किल टारगेट मिला था, जिसे उसने 91.3 ओवरों में हासिल कर लिया. इस जीत के साथ ही भारत-ए ने सीरीज पर 1-0 से कब्जा कर लिया. सीरीज का पहला मुकाबला इसी मैदान पर खेला गया था, जो ड्रॉ पर छूटा.

रेड बॉल क्रिकेट में 400 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होता, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो. लेकिन ध्रुव जुरेल की अगुवाई वाली इंडिया-ए टीम ने आराम से इस बड़े टारगेट को अचीव कर लिया. देखा जाए तो भारतीय जमीन पर पिछले 43 सालों में चौथी पारी में ये सबसे बड़ा सफल रनचेज रहा. साथ ही किसी ए टीम का रेड बॉल क्रिकेट में ये सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है.

ए टीम के लिए सबसे सफल रनचेज (रेड बॉल क्रिकेट)

412 भारत-ए 1- ऑस्ट्रेलिया-ए, लखनऊ, 2025

367 ऑस्ट्रेलिया-ए 1- श्रीलंका-ए, हम्बनटोटा, 2022

365 वेस्टइंडीज-ए 1- इंग्लैंड-ए, सेंट जोन्स, 2006

365 न्यूजीलैंड-ए 1- ऑस्ट्रेलिया-ए, लिंकन, 2023

340 भारत-ए 1- नॉटिंघमशायर, ट्रेंट ब्रिज, 2003

एशिया कपः फाइनल में पहुंचते ही पाकिस्तान के कप्तान सलमान देखने लगे ख्वाब

भारत को हराने का जताया भरोसा

दुबई , एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर एशिया कप के फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान आगा ने भरोसा जताया है कि उनकी टीम रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत को हरा देगी। सलमान फाइनल में पहुंचते ही ख्वाब देखने लगे हैं, लेकिन वह शायद भूल गए हैं कि यह वही भारतीय टीम है जिसने एशिया कप में उसे दो बार करारी शिकस्त दी है।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। गुरुवार को खेले गए सुपर-4 मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 124 रन ही बना पाई।

41 साल में खिताबी मैच में पहली बार आमने-सामने भारत-पाकिस्तानः एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला गया। भारतीय टीम सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली टीम है। भारत ने अब तक आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं, पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार खिताब अपने नाम किया, जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। दिलचस्प बात यह है कि एशिया कप के 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत-पाकिस्तान का फाइनल में आमना-सामना नहीं हुआ था। अब इतिहास पलटने जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने मौजूदा संस्करण में पाकिस्तान को दो बार पटखनी दी है और फिलहाल टीम इस टूर्नामेंट में अजेय है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए खिताब की जंग आसान नहीं होने वाली है। आगा ने कहा, शाहीन एक खास खिलाड़ी हैं। वह वही करते हैं जो टीम को उनसे चाहिए। उनके लिए बहुत खुश हूं। हम 15 रन पीछे रह गए। जिस तरह से हमने शुरुआत में गेंदबाजी की उससे हमने दबाव बनाया। हमने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की। अगर आप इस तरह गेंदबाजी करते हैं तो अक्सर आप मैच जीत जाते हैं। हमारी फील्डिंग अच्छी रही है। शेन हम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम अतिरिक्त सत्र भी ले रहे हैं। माइक हेसन ने कहा था कि अगर आप फील्डिंग नहीं कर सकते तो आप टीम में नहीं होंगे।

भारत के खिलाफ वापसी का भरोसा जताया

मैच के बाद आगा ने कहा, अगर आप इस तरह के मैच जीतते हैं, तो हम एक खास टीम जरूर बन जाते हैं। सभी ने बहुत अच्छा खेला। बल्लेबाजी में कुछ सुधार की जरूरत है। लेकिन हम इस पर काम करेंगे। हम किसी को भी हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। हम रविवार को वापसी करेंगे और ऐसा (जीत हासिल) करने की कोशिश करेंगे।सलमान ने अपने गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने पहली ही गेंद से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में बनाए रखा।

ICC की सूर्या को हिदायत

पॉलिटिकल स्टेटमेंट न दें...उन्होंने जीत पहलगाम पीड़ितों और सेना को समर्पित की थी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने गुरुवार को सलाह दी कि वे ऐसी कोई टिप्पणी न करें जो राजनीतिक मानी जा सके। यह सलाह के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने एक आधिकारिक सुनवाई के दौरान दी। यह सुनवाई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत पर हुई, जिसमें सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के बाद की गई टिप्पणियों में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति समर्थन जताया था। सूर्यकुमार ने इन टिप्पणियों के लिए खुद को दोषी नहीं बताया। सुनवाई में बीसीसीआई के सीओओ और क्रिकेट ऑपरेशंस मैनेजर भी सूर्यकुमार के साथ थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिचर्डसन ने सूर्यकुमार को समझाया कि उन्हें ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए जो राजनीतिक लगें। सजा के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह लेवल-1 का उल्लंघन है, इसलिए सूर्यकुमार को चेतावनी या 15 मैच फीस का जुर्माना हो सकता है।

वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी बुधवार को पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में औपचारिक शिकायत दर्ज की है। मामले की सुनवाई शुक्रवार (26 सितंबर) को होगी, क्योंकि गुरुवार को वे श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप मैच खेल रहे हैं। दरअसल, 21 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप सुपर-4 मैच के दौरान दोनों ने भड़काऊ इशारे किए थे। रऊफ ने आसमान से विमान गिराने का इशारा, तो साहिबजादा ने फिफ्टी लगाने पर गन सेलिब्रेशन किया था।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिपः

तेज रफ्तार, ऊंची छलांग और जज्बे का तूफान, दिल्ली में दिखेगा पैरालंपियनों का दम

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार 27 सितंबर 2025 से शुरू होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के साथ, राजधानी दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इस क्षेत्र के कुछ सर्वश्रेष्ठ एथलीट प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई देंगे। इसमें ब्लेड जम्पर, सीरियल मेडलिस्ट और व्हीलचेयर मैराथन के दिग्गज शामिल हैं। यहां हम ऐसे ही कुछ शीर्ष पैरालंपियनों के बारे में जानेंगे जो अगले कुछ दिनों तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दम-खम दिखाने के लिए तैयार हैं।

अथानासियोस घावेलस (ग्रीस)- 100 मीटर टी-11

टी11 श्रेणी में सबसे तेज धावक, अथानासियोस घावेलस दो बार के पैरालंपिक चैंपियन और 2023 संस्करण के विश्व चैंपियन हैं। साल 2024 के फाइनल से अयोग्य घोषित होने के बाद, वह अपना दूसरा विश्व खिताब जीतने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता में उतरेंगे। 10.82 सेकंड के समय के साथ उनके नाम विश्व रिकॉर्ड है। 100 मीटर टी-11 स्पर्धा में दृष्टिबाधित एथलीट गाइड के साथ दौड़ते हैं।

शियाओयान वेन (चीन) - 100 मीटर टी37, 400 मीटर टी37, लंबी कूद टी37

शियाओयान वेन लगातार पदक विजेता हैं। उन्होंने जिन भी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, उनमें से हर स्पर्धा में ढेरों पदक जीते हैं। उनके नाम नौ पैरालंपिक स्वर्ण पदक हैं, जिनमें से पांच 2024 पेरिस ओलंपिक में आए हैं। इसमें 100 मीटर टी37, 200 मीटर टी37, लंबी कूद टी37 और 4म100 मीटर यूनिवर्सल रिले में जीते गए गए स्वर्ण पदक शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप में, उन्होंने सात स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 100 मीटर टी37 में अपने खिताब का बचाव करेंगी और 400 मीटर टी37 और लंबी कूद टी37 स्पर्धाओं में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

कैथरीन डेब्रनर (स्विट्जरलैंड) - 100 मीटर टी53

व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने 2024 पेरिस पैरालंपिक में पांच स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था। उनके नाम आठ विश्व चैंपियनशिप पदक हैं, जिनमें पांच स्वर्ण पदक शामिल हैं। इनमें से चार पेरिस में आयोजित पिछली विश्व चैंपियनशिप में आए थे। पैरालिंपिक और विश्व चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन के अलावा, डेब्रनर व्हीलचेयर मैराथन सर्किट में एक प्रमुख नाम हैं। उन्होंने बर्लिन और लंदन मैराथन में तीन-तीन बार जीत हासिल की है।

मार्कस रेहम (जर्मनी) - लंबी कूद T64

पैरा एथलेटिक्स और लंबी कूद के प्रशंसकों के बीच मार्कस रेहम एक जाना-माना नाम हैं। 'ब्लेड जम्पर' के नाम से मशहूर 37 वर्षीय डेब्रनर ने अपने 13 साल से ज्यादा के करियर में नौ विश्व खिताब और पांच पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। मार्कस रेहम के नाम 8.72 मीटर का विश्व रिकॉर्ड है। वह नई दिल्ली में और भी ऊंचाइयों को छूने का लक्ष्य बना रहे हैं।

पेट्रुसियो फरेरा (ब्राजील) - 100 मीटर T47

29 वर्षीय यह धावक दुनिया का सबसे तेज पैरालंपिक एथलीट है। 10.29 सेकंड का उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय स्वस्थ धावकों को भी पीछे छोड़ सकता है और अगले सबसे तेज पैरालंपिक एथलीट नॉर्वे के सलुम काशाफाली (ञ्12) हैं, जिन्होंने 10.37 सेकंड का समय निकाला है। फरेरा के नाम विश्व चैंपियनशिप में छह स्वर्ण पदक हैं, जिनमें पुरुषों की 100 मीटर ञ्47 में चार स्वर्ण पदक शामिल हैं। वह इस स्पर्धा में तीन बार पैरालंपिक चैंपियन रह चुके हैं।

शमार जोसेफ भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर 22 वर्षीय जोहान लेन को टीम में स्थान मिला है। 22 वर्षीय ऑलराउंडर जोहान लेन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का शानदार मौका है। उन्होंने अब तक 19 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 22.28 की औसत के साथ 66 विकेट निकाले, जिसमें चार बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इसके अलावा, बल्ले से उन्होंने 495 रन बनाए, जिसमें 2 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। वहीं, 12 लिस्ट-ए मुकाबलों में जोहान 13 विकेट लेने के अलावा, 124 रन जोड़ चुके हैं। लेन को 5 टी20 मैच खेलने का भी अनुभव है। दूसरी ओर, 11 टेस्ट मैच खेलने वाले शमर जोसेफ ने 21.66 की औसत से 51 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने जनवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अपने पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट हासिल किए थे।

भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में पहली बार बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को मौका दिया गया है। 33 वर्षीय इस खिलाड़ी को वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है, जहां उन्होंने इस सीजन में 13.56 की औसत से सर्वाधिक 41 विकेट हासिल किए थे। भारत और वेस्टइंडीज की टीमें 2-14 अक्टूबर के बीच दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। पहला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरे टेस्ट की शुरुआत 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच यह टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

धुआंधार फॉर्म में स्मृति मंधाना... महिला वर्ल्ड कप में 6 बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना इन दिनों जोरदार फॉर्म में हैं. 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला वनडे वर्ल्ड कप में उनका बल्ला चला तो कई कीर्तिमान बन सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई ओडीआई सीरीज में 29 साल की मंधाना ने 3 पारियों में 300 रन (58, 117 और 125) बनाए और साबित किया कि दबाव की परिस्थितियों में भी वह बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं. तीसरे ओडीआई में अरुण जेटली स्टेडियम में उन्होंने 50 गेंदों में शतक जड़ा, जो महिला ओडीआई में भारतीय खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज और कुल मिलाकर मेग लैनिंग (45 गेंद) के बाद दूसरी सबसे तेज पारी है. यह मुकाबला रिकॉर्ड-ब्रेकिंग साबित हुआ, जिसमें 781 रन बने, महिला ओडीआई का अब तक का सबसे अधिक स्कोर, और 99 चौके और 12 छक्के भी शामिल थे.

मंधाना अब 13 ओडीआई शतक के साथ सूजी बेट्स के बराबर हैं, जबकि मेग लैनिंग 15 शतकों के साथ पहले स्थान पर हैं. 2025 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़ दिए हैं, जो किसी कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड के बराबर है.

वर्ल्ड कप में मंधाना के बड़े लक्ष्य

- 5000 रन~ महिला ओडीआई में मंधाना को 5000 रन पूरे करने के लिए केवल 112 रन चाहिए. इस सूची में मिताली राज, शार्लोट एडवर्ड्स, सूजी बेट्स और स्टेफनी टेलर शामिल हैं.

- सबसे तेज 5000 रन~ मंधाना इस रिकॉर्ड को सबसे तेज बनाने वाली बल्लेबाज बनने के करीब हैं. स्टेफनी टेलर ने इसे 129 पारियों में हासिल किया था.

- ओपनर के रूप में 5000 रन~ मंधाना को यह रिकॉर्ड पूरा करने के लिए 137 रन चाहिए. सूज़ी बेट्स ही पहले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने ओपनर के रूप में 5000 रन बनाए.

- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन~ मंधाना को साल में सबसे ज्यादा महिला ओडीआई रन बनाने के लिए 42 रन चाहिए. यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क के नाम है, जिन्होंने 1997 में 16 मैचों में 970 रन बनाए थे.

- कैलेंडर ईयर में 1000 रन~ मंधाना को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 72 रन चाहिए.

- कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा शतक~ मंधाना को यह रिकॉर्ड बनाने के लिए सिर्फ एक शतक की जरूरत है. 2024 में उन्होंने पहले ही चार शतक जड़े थे.

स्मृति मंधाना की यह शानदार फॉर्म और उनकी निगाहें महिला क्रिकेट के इतिहास में नाम दर्ज कराने पर हैं. विश्व कप में उनका प्रदर्शन सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे महिला क्रिकेट जगत के लिए रोमांचक होगा.

20 चौके और 5 छक्के लगाए

मयंक अग्रवाल ने यॉकर्शायर के लिए खेली शतकीय पारी

हेडिंग्ले, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175) ने डरहम के खिलाफ यॉकर्शायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉकर्शायर का इस काउंटी सीजन आखिरी मैच है। धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए।

पहले डरहम के ऑलराउंडर बेन रेन ने अपने पहले दिन के स्कोर नाबाद 87 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 101 रन बनाए। यॉकर्शायर के लिए नई गेंद के गेंदबाज जैक व्हाइट ने 69 रन देकर 5 विकेट लिए। अग्रवाल ने अपनी 195 गेंदों की पारी में 20 चौके और 5 छक्के लगाए और सलामी बल्लेबाज एडम लिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 127 रनों की साझेदारी की। लिथ ने अपने 38वें जन्मदिन पर 69 रन की पारी खेली। अच्छे बल्लेबाजी हालात होने के बावजूद लिथ और अग्रवाल को सतक रहकर खेलना पड़ा। वे सजग रहे, लेकिन रन भी बनाए। लिथ ने ऑफ साइड में बेहतरीन शॉट लगाए और अग्रवाल शुरू से लय में थे। इससे पहले यॉकर्शायर के लिए तीन पारियों में दो शून्य रहे थे। लिथ ने 102 गेंदों में जबकि अग्रवाल ने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अग्रवाल ने अफ़ग़ान गफ़ारी की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर पचासा पूरा किया। इसके थोड़ी देर बाद गफ़ारी ने लिथ को स्लिप में पॉट्स के हाथों कैच कराया। अग्रवाल ने फिर गफारी पर हमला बोला और चाय से पहले उन पर तीन और छक्के जड़े। इसमें दो छक्के एक ही ओवर में सीधी बाउंड्री पर थे, जबकि उन्होंने एक मिडविकेट के ऊपर से मैक्सिमम हिट मारा।